RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:44 ता. 11 अगस्त 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में ऐतिहासिक रही तिरंगा यात्रा

महानगर में शान से लहराया ईमान तिरंगा है,मेरी जान तिरंगा है, मेरी शान तिरंगा है

तिरंगा बसा है हर एक देशवासी के दिल में

महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को तिरंगा निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में भीड़ इतनी कि जिसकी गिनती करना मुश्किल था या ये कहें कि हजारों की संख्या में अपने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की आन, बान और शान में हर महानगर वासी यात्रा में शामिल हुआ। जहां देखो हर कोई अपने तिरंगे की दीवानगी में दीवाना, जहां देखो तिरंगे की शान में झूम उठा एक-एक महानगर वासी।कुल मिलाकर ये वो ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा है जिसका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता है। संजीव शर्मा के करिश्माई नेतृत्व ने यह दिखा दिया कि भाजपाई ही नहीं अपितु आमजन भी उनके साथ भारी संख्या में जुड़ा हुआ है। संजीव शर्मा की महानगर की टीम इस तिरंगा यात्रा की तैयारियों में दिन रात जुटी हुई थी और सभी की मेहनत तिरंगा यात्रा में दिखाई भी दी। भाजपा के एक बूथ कार्यकर्ता से लेकर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, महापौर आशा शर्मा, राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप, विधायक अतुल गर्ग,अजीत पाल त्यागी सहित महानगर के तमाम जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर तिरंगा यात्रा में अपनी सहभागिता दी। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने खुद बाईक चलाकर देश के तिरंगे के सम्मान में कह दिया मेरा स्वाभिमान तिरंगा है। तिरंगा देश के एक- एक देशवासी के दिल में बसा है। तिरंगा हमारा मान, सम्मान व अभिमान है और हजारों की भीड़ ने जब बुधवार को तिरंगा लहराया तो महानगर में एक अलग ही माहौल दिखाई दिया।जिसकी खातिर शहीदों ने अपनी कुबार्नी दी और पूरा महानगर डूब गया तिरंगे की देशभक्ति में।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध'अभियान के तहत छात्रो को दिलायी शपथ

अपर मुख्य सचिव आबकारी व आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद के समस्त आबकारी निरीक्षकों द्वारा 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध'अभियान के तहत जनपद गाजियाबाद के प्राथमिक विद्यालय सिहानी -3 ,एमडीएस हायर सेकेंडरी स्कूल भोवापुर , प्राथमिक विद्यालय राजनगर , राजकीय कन्या इंटर कॉलेज विजय नगर, न्यू समेकित विद्यालय नूर नगर में आबकारी स्टाफ , समस्त विद्यालय स्टाफ के साथ उक्त विद्यालयों के समस्त छात्र छात्राओं को शपथ दिलाया गया। जनपद के आबकारी विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा 'से यस टू लाइफ नो टू ड्रग्स ' कार्यक्रम के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम प्रतिभाग में किया गया।

पप्पू पहलवान ने ब्रह्मकुमारी में दीदी को तिरंगा भेंटकर की नयी संस्कृति की शुरूआत

महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान और पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप को ब्रह्मकुमारी आश्रम की दीदी ने राखी बाँध कर राखी का ये पावन पर्व मनाया । इस अवसर पर महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान और पूर्व एमएलसी सुरेश कश्यप ने दीदी को तिरंगा भेंट कर के एक नयी संस्कृति की शुरूआत की है । तिरंगा झंडा हमारे देश की शान और हमारा अभिमान है ।

जूना अखाड़ा के नागा सन्यासी व साधु संत भी फहराएंगे तिरंगा ध्वजं -महंत नारायण गिरी महाराज

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतराष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी महाराज ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव पर नागा सन्यासियों के सबसे बड़े अखाड़े श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा द्वारा पूरे देश मे तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है, जिसका शुभारंभ गत 8 अगस्त को बरेली स्थित पौराणिक शिव मंदिर वनखंडी नाथ से कर दिया गया है। जूना अखाड़ा जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक तथा अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री महंत हरी गिरी महाराज ने बताया कि जूना अखाड़े के मुख्यालय बड़ा हनुमान घाट काशी, हरिद्वार, उज्जैन,नासिक,त्रयम्बकेश्वर, दूधेश्वर नाथ मठ गाजियाबाद उत्तर प्रदेश, भवनाथ जूनागढ़, बरेली,अयोध्या गिरनार,आनंदेश्वर महादेव कानपुर सहित सभी प्रमुख नगरों में जूना अखाड़े के संत महंत व नागा सन्यासी तिरंगा यात्रा निकालेंगे तथा अखाड़े से संबंधित सभी आश्रम मंदिरों व भवनों पर तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 माह तक चलने वाली इस तिरंगा यात्रा का शुभारंभ बनखंडी महादेव मंदिर बरेली से 8 अगस्त को कर दिया गया है । जूना अखाड़े के महंत नारायण गिरि जी महाराज अंतर राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा, महामंडलेश्वर हिमालय संत वीरेंद्र आनंद गिरि महाराज कथा महामंडलेश्वर वैभव गिरी के साथ-साथ साहू समाज उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी लाल साहू को राष्ट्रीय ध्वज के साथ ओम पर्वत कैलाश मानसरोवर को तिरंगा यात्रा के लिए रवाना किया गया है । यह तिरंगा यात्रा उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड का भ्रमण करती हुई कैलाश मानसरोवर पर विराम लेगी।महंत हरिगिरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म तथा देश की रक्षा के लिए नागा संन्यासियों ने बड़े-बड़े बलिदान दिए हैं । मुगलों तथा अंग्रेजों से युद्ध करते करते कई नागा साधु शहीद हुए हैं । अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों और देशभक्तों के साथ-साथ बलिदानी नागा संन्यासियों को भी स्मरण करने तथा उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए तिरंगा यात्रा तथा अन्य आयोजन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं। अखाड़ा परिषद ने सभी तेरह

अखाड़ों को भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा तिरंगा यात्रा निकाले जाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया 2 माह तक चलने वाले इस अमृत महोत्सव में जूना अखाड़े के सभी प्रमुख मंदिरों शक्तिपीठों आश्रमों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी।

उमस भरी गर्मी के बाद NCR में बदला मौसम

उमस भरी गर्मी के बाद गुरुवार सुबह मेरठ और एनसीआर में मौसम बदलाव नजर आया। तापमान में गिरावट होने के साथ बूंदाबांदी भी शुरू हुई। मौसम विभाग के अनुसार मेरठ और आसपास के जिलों में अगले 24 घंटे में बारिश की संभावना जताई गई है। पिछले एक सप्ताह से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान थे। मौसम में बदलाव के चलते बुधवार को तापमान 36 डिग्री के पार पहुंच गया। तापमान में बढ़ोतरी के चलते लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा। बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25. डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एम शमीम का कहना है कि अगले 24 घंटे में बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़ और आसपास के क्षेत्रों में मौसम बदला हुआ रहेगा। कुछ स्थानों पर आसमान में बादल छाएं रहेंगे। हल्की बारिश से मध्यम बारिश तक की संभावना है। बृहस्पतिवार को तापमान 30 डिग्री पर आ पहुंचा। हवा की स्पीड 9 किमी प्रति घंटा की रहेगी।

महापौर भी पहुंची तिरंगा यात्रा के साथ घंटाघर रामलीला मैदान

भारत की आजादी के 75वें वर्ष में भाजपा द्वारा पूरे भारत वर्ष में चलाए जा रहे तिरंगा यात्रा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बुधवार को शहर के सभी वार्डों,सभी मंडलों में तिरंगा यात्रा निकाली गई।जिसके अंतर्गत महापौर आशा शर्मा ने भी गोविंदपुरम मंडल एवं कविनगर/शास्त्री नगर वार्ड में तिरंगा यात्रा में तिरंगा फहराकर कविनगर रामलीला मैदान से शास्त्री नगर होते हुए तिरंगा यात्रा के साथ रामलीला मैदान घंटाघर पहुंची इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश साधना और दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री अशोक गोयल मौजूद रहे।

उद्योग बंधु वेलफेयर एसोसिएशन ने किया झंडा वितरण

उद्योग बंधु वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा मून बेवरेज कोको कोला कंपनी में मुख्य अतिथि शैलेंद्र सिंह जीएम डी आईसी द्वारा झंडा वितरण कार्यक्रम किया गया। साथ ही इस मौके पर उद्योग बंधु वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा जीएम शैलेंद्र सिंह को 6 सूत्रीय माँगो का ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर राकेश झा आर एम यूपीसीडा,सतीश चौधरी ए ई, यूपीसीडा, मुन बेवरेज के मालिक मुकेश अग्रवाल, एसोसिएशन के अध्यक्ष सुशील गुप्ता, चैयरमैन राकेश चौधरी, उपाध्यक्ष मनप्रीत सिंह, खुर्शीद आलम, कोषाध्यक्ष मिथलेश मिश्रा, अरुण शर्मा, पवन कनडोई, राकेश पाडेय, सुनील उपाध्याय, रामपाल राणा, मनोज सिंह, पवन गुप्ता, मिडिया प्रभारी सचिव अजेय भारद्वाज आदि काफी उद्योग बंधु वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

बाबा के दरबार में श्याम प्रेमी जिंदगी मांगने आते हैं न कि जिंदगी देने

किसी भी धार्मिक स्थल पर नहीं करनी चाहिए जल्दबाजी

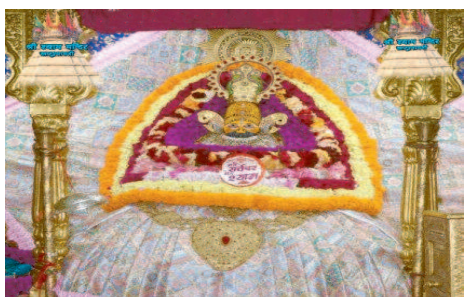

बहुत ही दुखद घटना है बाबा के दरबार में प्रेमी जिंदगी मांगने आते हैं न की जान देने। प्रेमियों भीड़ बेकाबू कभी नहीं होती हम बेकाबू होते हैं भीड़ को काबू करने के लिए तो जीगजक काफी होता है लेकिन हमको भीड़ नहीं स्पेशल बनना है और बताना भी है बाहर जाकर कि दर्शन बहुत जल्दी हो गए। इस लिए हम अलग- अलग तरीके अपनाते हैं। मंदिर के अंदर जो प्रसाद वाली दुकानें हैं सब दुकानों के दरवाजे दोनो तरफ खुलते हैं हजारों श्याम प्रेमी वो तरीका अपनाते हैं दुकान के पीछे जाकर बोलते हैं प्रसाद आपसे ही लेंगे दरवाजा खोलो और फिर प्रेमियों के झुंड अंदर प्रवेश कर जाते हैं। जहां लाइन में आराम से दर्शन चल रहे होते हैं लेकिन अब अंदर आए हैं तो जगह तो बनानी पड़ेगी फिर शुरू होता है पहलवानी का दौर और लगने लगते हैं धक्के कोई आम धक्के नहीं झुण्डों के धक्के जिसमे मारे जाते हैं बच्चे,महिलाएं सेहत से कमजोर आदमी ऐसा कब तक होगा । सभी श्याम प्रेमियों की सरकार और प्रशासन से विनती है कि या तो दुकानें बंद करें जो अंदर हैं या उनका पिछला दरवाजा बंद करें। आज देख लेना बाबा के दरबार में मातम छाया हुआ है लेकिन फिर भी हजारों कीर्तन होंगे ढोल बजेगा नगाड़ा बजेगा। समय है श्याम प्रेमियों हमारी इंसानियत दिखाने का इस भीड़ पर काबू कैसे पाया जाए ये सोचने का। जरूरी तो नहीं हम एकादशी को ही खाटू जाएं बाबा 29 दिन छुट्टी पर नहीं रहता वहीं विराजमान है। श्याम जगत के जितने भी कलाकार हैं भजन गायक हैं वो ये प्रचार पूरे देश में करें की बाबा की अदालत 30 दिन लगती है। लेकिन हो उल्टा रहा है सब एक ही बात बोलेंगे की एकादशी के दिन खाटू जाना और बाबा से बोलना प्रेमी आपकी बात मानते हैं। वो ऐसा ही करते हैं हमारी खाटू वाले से प्रार्थना है की वो श्याम प्रेमियों को सभी दिन खाटू आने की कृपा करें कि एकादशी की भीड़ 30 दिन में बंट जाए और फिर दोबारा किसी की बहन किसी की मां किसी की बेटी बाबा के दरबार में दम ना तोड़े।

कानपुर देहात में तिरंगा रैली का किया गया आयोजन

संवाददाता

कानपुर देहात में आजादी के अमृत महोत्सव को भव्य बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ साथ शिक्षा विभाग व संस्थाएं रात दिन काम कर रही है और रैलियों व प्रसार प्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है।जिसके चलते आज जिलाधिकारी की देखरेख में तिरंगा पैदल रैली का आयोजन किया गया।इस तिरंगा पैदल रैली को जिलाधिकारी नेहा जैन हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी नेहा जैन ने आजादी के अमृत महोत्सव के दृष्टिगत हर घर तिरंगा कार्यक्रम

के तहत अकबरपुर नगर पंचायत व तहसील अकबरपुर के संयुक्त तत्वावधान में तहसील प्रांगड़ से तिरंगा पैदल रैली का हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली अकबरपुर ओवर ब्रिज से होते हुए अकबरपुर के विभिन्न मार्गो से गुजरकर ओवर ब्रिज के नीचे समाप्त हुई। इस दौरान रैली में सैकड़ों की तादाद जिले के अधिकारी व कर्मचारी के साथ साथ अन्य लोगो भी मौजूद रहे। रैली के माध्यम से क्षेत्रीय लोगों को घरों पर तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया गया और लोगों से अपील की गई कि आजादी के अमृत महोत्सव को उत्साह के रूप में आप सभी लोग अपने परिवार के साथ मिलकर मनाए और अपने आसपास के लोगों को तिरंगा झंडा लगाने के लिए जागरूक करें। तिरंगा पैदल रैली को जिलाधिकारी नेहा जैन हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, इसमें जनपद के सभी लोग अपनी सहभागिता अवश्य करें तथा हर घर में तिरंगा अवश्य लगाये। इस दौरान जिलाधिकारी नेहा जैन के साथ मौके पर उप जिलाधिकारी अकबरपुर वागीश कुमार शुक्ला, तहसीलदार अकबरपुर, अकबरपुर नगर पंचायत अधिशाषी अधिकारी आदि अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं क्षेत्रीय जनता आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

शामली में विद्यार्थियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

देश में 15 अगस्त को आजादी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाने वाला है। इसको लेकर सरकार ने हर घर तिरंगा योजना के नाम से एक योजना चलाई है। इसके तहत शामली में गुरुवार को छात्र-छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकाली है। इसमें जनपद के कई कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने पार्टिसिपेट किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने लोगों को हर घर तिरंगा अभियान के बारे में जागरूक किया। साथ ही लोगों को इस अमृत महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय किसान इंटर कॉलेज से शुरू हुई, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए वीवी इंटर कॉलेज में पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान भारत माता की जय और देश भक्ति नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा। एनसीसी की छात्रा शिवानी ने बताया कि तिरंगे के साथ यात्रा निकालकर गर्व महसूस हो रहा है। गर्व है कि हम भारतीय हैं और हम आजादी के अपने इस पर्व को धूमधाम से मना रहे हैं। शामली डीआईओएस सरदार सिंह ने बताया कि सरकार ने आजादी के पर्व को अमृत महोत्सव में मनाने के लिए बहुत योजनाएं चलाई हैं।

यूपी बोर्ड की इंप्रूवमेंट-कंपार्टमेंट परीक्षा 27 को

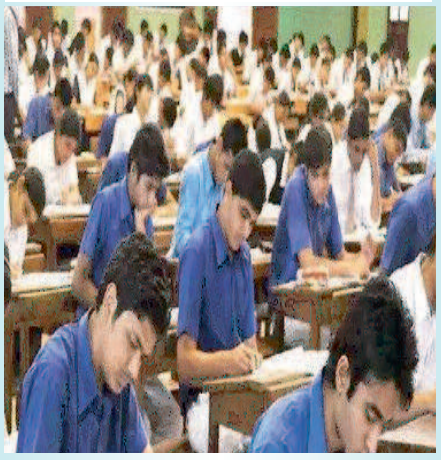

माध्यमिक शिक्षा परिषद यानी यूपी बोर्ड इंप्रूवमेंट/कंपार्टमेंट परीक्षा 27 अगस्त को करने जा रहा है। इस परीक्षा में अपने अंकों से असंतुष्ट हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा देने वाले परीक्षार्थी दे सकते हैं। हाईस्कूल इंप्रूवमेंट परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षा 22 से 24 अगस्त के बीच होगी। यह जानकारी देते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने बताया, हाई स्कूल इंप्रूवमेंट/कंपार्टमेंट परीक्षा 27 अगस्त को सुबह 8:00 से 11:15 के बीच प्रथम पाली में होगी। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा दोपहर 2:00 से 5:15 के बीच होगी। परीक्षा केंद्रों का निर्धारण जिला विद्यालय निरीक्षकों की ओर से जनपद मुख्यालय पर ही होगा। उन्होंने आगे बताया, परीक्षा केंद्र राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेजों या अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को ही बनाया गया है। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र यूपी बोर्ड की वेबसाइट https://upmsp.edu.in पर अपलोड कर दिए गए हैं।" सचिव ने कहा, "इसके अलावा अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य से भी प्रवेश पत्र ले सकते हैं। परीक्षा से 45 मिनट पहले ही हर परीक्षार्थी को एग्जाम सेंटर पर पहुंचना होगा। देर से आने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रैक्टिकल परीक्षाएं 22 अगस्त से दिव्य कांत शुक्ला ने बतायाहाई स्कूल इंप्रूवमेंट/कंपार्टमेंट की परीक्षा के लिए योग्य परीक्षार्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षा यानी आंतरिक मूल्यांकन 22 से 24 अगस्त तक संबंधित स्कूलों में होगा। इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए योग्य अभ्यर्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 22 अगस्त तक कराई जाएंगी। प्रधानाचार्यों को हाईस्कूल के आंतरिक मूल्यांकन के विषयवार अंकों की सूची और इंटरमीडिएट के प्रैक्टिकल परीक्षाओं से मिली अंकों की ओएमआर शीट क्षेत्रीय कार्यालयों में 30 अगस्त तक हर हाल में जमा करनी होगी।

आगरा में आजादी के अमृत महोत्सव लेकर उत्साह

संवाददाता

आजादी के अमृत महोत्सव का उत्साह शहर में देखते ही बन रहा है। तिरंगा झंडे की शहर में जगह-जगह दुकानें सजी हुई हैं। चहुंओर अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम चल रहे हैं। गुरुवार को नगर निगम ने सेंट जोंस चौराहा से तिरंगा पदयात्रा निकाली। आजादी का अमृत महोत्सव को लेकर आज से आगरा में नगर निगम का अमृत महोत्सव सप्ताह शुरू हो गया है। पहले दिन नगर निगम ने तिरंगा यात्रा आयोजन किया। यात्रा में मेयर नवीन जैन, विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, विधायक जीएस धर्मेश, भाजपा महानगर अध्यक्ष भानू महाजन समेत सैकड़ों की संख्या में लोगों ने प्रतिभाग किया। भारत माता और वंदे मातरम के जयघोष के साथ

युवा देशभक्ति में डूबे नजर आए। यात्रा दीवानी चौराहे होते हुए नगर निगम प्रांगण में जाकर सम्पन्न हुई।पदयात्रा में युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिला प्रशासन और ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा 13 अगस्त को द ऑटो रोड शो का आयोजन किया जाएगा। इसमें कारों की झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत इस कार्यक्रम का गत दिवस पोस्टर विमोचन किया गया। डीएम प्रभु एन. सिंह ने बताया कि ऑटो रोड शो में प्रत्येक कार एक आजादी की गौरवपूण गाथा, भारत की सभ्यता और शहीदों को श्रद्धांजलि के रूप में सजाई जाएगी। स्वतंत्रता की उमंग के परिपूर्ण झांकियों में विभिन्न राज्यों की संस्कृति की झलक दिखाई जाएगी। ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन की संस्थापक रंजना बंसल बताया कि रैली में 17 डीलर्स शामिल होंगे। यात्रा की शुरूआत आई लव आगरा सेल्फी पॉइंट से होगी। स्कूली बच्चे शो में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आज स्कूलों में भी कार्यक्रम हुए। प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल, दयालबाग में बच्चों ने हाथों में तिरंगा ध्वज लेकर वंदेमातरम के और भारत माता के जयकारे लगाए। बच्चों हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तीन दिन अपने अभिभावकों के साथ विशेष अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया गया। आईएमए के पूर्व चेयरमैन डॉ. अशोक शर्मा सभी चिकित्सकों से घर पर तिरंगा झंडा लगाए जाने का आह्वान किया। विद्या मॉदिर कमलानगर में छात्रों ने भी तिरंगा रैली निकाली।

बरहज देवरिया स्थानीय बाबा राघव दास भगवानदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय आजादी के 75 वर्ष अमृत महोत्सव पर तिरंगा यात्रा महाविद्यालय से निकलकर आश्रम गेट रेलवे तिराहा होते हुए नगर भ्रमण किया इस दौरान महाविद्यालय के एनसीसी एन एस एस के साथ ही छात्र-छात्राऐ सम्मिलित हुए तिरंगा यात्रा का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर शंभू नाथ तिवारी ने झंडा दिखाकर किया इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए लाखों युवाओं ने अंग्रेजों से लड़ते-लड़ते बलिवेदी पर चढ़ गए अमृत महोत्सव में ऐसे सभी बलिदानों को याद कर उनके योगदान से समाज को परिचित कराते हुए राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना है इस अवसर पर डॉ बिनीतपाडे डॉक्टर प्रज्ञा तिवारी डा विनय तिवारी डॉ सज्जन गुप्त डॉक्टर धनंजय तिवारी संजीव कुमार डॉ अमित चतुर्वेदी बृजेश यादव रविंद्र मिश्रा मनीष श्रीवास्तव विनय मिश्र प्रदीप शुक्ला राजीव पांडे मीरा गुप्ता राजू कुमार नरेंद्र तिवारी आनंद मिश्र नागेंद्र यादव सहित समस्त छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अयोध्या पहुंचे बागेश्वरधाम के महंत, हनुमानगढ़ी में किया दर्शन

संवाददाता

बागेश्वर धाम के महंत अयोध्या पहुंचे' उन्होंने हनुमानगढ़ी और कनक भवन मॉदिर और रामलला सदन में दर्शन किया' रामलला का मॉदिर बंद होने के कारण उन्होंने रंगमहल बैरियर से ही रामलला को प्रणाम किया। कहा,"जल्द ही दर्शन करने के लिए दोबारा अयोध्या आएंगे। बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री बुधवार की रात 9 बजे अयोध्या पहुंचे। इसके बाद उन्होंने रामलला सदन में पीठ के आचार्य जगदगुरु डाक्टर राघवाचार्य से मुलाकात की। जगद्गुरु राघवाचार्य ने उनका परंपरागत स्वागत कर रामलला सदन मॉदिर में दर्शन कराया' इस अवसर पर बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कष्ण शास्त्री ने कहा कि इस बार

रात्रि में आने के कारण रामलला का दर्शन नहीं हो सका है' वे जल्द अयोध्या आकर रामलला का दर्शन करेंगे' अयोध्या की अनुभूति को दिव्य बता उन्होंने कहा कि इसका वर्णन मुख से नहीं किया जा सकता' वे अयोध्या आकर यहां रात्रि प्रवास करेंगे' हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए जाने से पहले उन्होंने कहा,"प्रभु हनुमान की पूंछ से ही तो हम सबकी पूंछ है' वे 2024 में अयोध्या में रामलला और संतों के आदेश से रामकथा कहेंगे' अयोध्या में रहकर भी जो श्रीराम का नहीं है। हम अपनी कथा में उनका चरित्र उजागर करेंगे'" अयोध्या पहुंच लोगों का अभिवादन स्वीकार करते बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर। इस अवसर पर परमहंस रामचंद्र दास के शिष्य राजेशनाथ त्रिपाठी, समाजसेवी राजेश मिश्रा, एसएसपी सुरक्षा पंकज पांडेय,सीओ अयोध्या डाक्टर राजेशनाथ त्रिपाठी सहित कई संत-महंत दर्शन के लिए मौजूद रहे'।

बच्चों के विवाद में जेठ ने महिला को पीटा

अमरोहा के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में बच्चों के विवाद में जेठ ने महिला को जमकर पीटा। इसमें वह लहूलुहान हो गई। घायल अवस्था में पीड़िता कोतवाली पहुंच गई। जहां उसने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने महिला को मेडिकल के लिए भेजा है। मामला कोतवाली क्षेत्र के भैंसरोली गांव का है। यहां के निवासी हरिराज की पत्नी चंद्रकौर गुरुवार को घर पर थी। इस दौरान उसके तथा उसके जेठ के बच्चों के बीच मारपीट हो गई। इस बात को लेकर महिला ने अपने जेठ से शिकायत की। इस पर जेठ और जेठानी तथा सास ने उसके साथ जमकर लाठी-डंडों से मारपीट की। इससे वह लहूलुहान हो गई। घायल होने के बाद पीड़िता ने अपने मायके फोन करके भाइयों को बुला लिया। मौके पर पहुंचे पीड़िता का भाई उसे घायल अवस्था में कोतवाली लेकर पहुंचा। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर दी है। पुलिस ने घायल को मेडिकल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है। कोतवाल अरविंद कुमार त्यागी ने बताया कि पीड़िता को मेडिकल लिए भेजा गया है। तहरीर एवं मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे का ठेका न देने पर इंजीनियर से लूटपाट

संवाददाता

लखनऊ में एक रेलवे ठेकेदार ने ठेका न देने पर रिटायर इंजीनियर को बंधक बनाकर लूट लिया। घर में ज्यादा पैसे न मिलने पर उनका नग्न वीडियो बना 10 लाख की रंगदारी भी मांगी। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर ठेकेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। रामपाल सिंह विभूतिखंड थाना क्षेत्र में वास्तुखंड में किराए पर रहते हैं। वह रेलवे से रिटायर हैं। वह मूलरूप से ऊधम सिंह नगर काशीपुर के रहने वाले हैं। रामपाल रिटायर होने के बाद आर एंड सी इंफ्रा इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड में काम कर रहे हैं। रामपाल के मुताबिक, 8 अगस्त की रात कानपुर बिठूर का रहने वाला अभिषेक घर आया। उसके पीछे से उसका चचेरा भाई गोलू और एक

साथी आया। इन लोगों ने चाकू लगाकर बंधक बनाकर लूटपाट की। घर में सिर्फ नौ हजार रुपए और घड़ी मिलने पर अळट कार्ड और मोबाइल फोन के साथ घर में रखे कीमती जूते तक उठा ले गए। साथ ही चाकू से सारे कपड़े फाड़ कर नग्न कर दिया। इसके बाद वीडियो बनाया। जाते वक्त कहा कि अगर 10 लाख रुपए नहीं दिए, तो वीडियो वायरल कर दूंगा। विभूतिखंड इंस्पेक्टर डॉ. आशीष मिश्र ने बताया कि रामपाल की अभिषेक से पुरानी जान-पहचान है। जब वह कानपुर में बिठूर का अंडरपास बनवा रहे थे। अभिषेक पिछले हफ्ते उनसे रेलवे लाइन के दोहरीकरण का ठेका मांग रहा था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। इसके बाद उसने लूट की योजना बनाई। बुधवार रात वह साथियों के साथ पहुंचा और बिजली के तार से उनके हाथ-पैर बांध दिए। फिर मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से अभिषेक, उसके चचेरे भाई अभिषेक उर्फ गोली और साथी गौरव सविता को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्तार के बेटे को भगोड़ा घोषित करने की तैयारी

संवाददाता

लखनऊ पुलिस ने अब्बास अंसारी को भगोड़ा घोषित करने के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। इसकी सुनवाई को लेकर शुक्रवार को तारीख तय होगी। महानगर पुलिस ने अब तक उसके विधायक निवास समेत 56 ठिकानों पर छापेमारी की है, लेकिन उसका सुराग नहीं मिला। पुलिस अब्बास की संपत्ति कुर्क करने का नोटिस पहले ही दे चुकी है। मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की तलाश में लखनऊ पुलिस की चार टीमें पिछले एक सप्ताह से दिन-रात दबिश दे रही हैं। पुलिस के

पहुंचने से पहले ही अब्बास अपना ठिकाना बदल देता है। पुलिस अब अंसारी के गुर्गों की लिस्ट निकाल रही है। उन गुर्गों के घर अब्बास की तलाश की जा रही है। महानगर पुलिस ने चार टीमें बनाकर लखनऊ, मऊ, गाजीपुर और दिल्ली के आसपास दबिश दे रही है। पुलिस टीम ने बुधवार रात को लखनऊ में आशियाना, एफआई टावर और चिनहट में 9 स्थानों पर दबिश दी। इसमें चिनहट में माइकल और आशियाना में हिस्ट्रीशीटर सुरेंद्र कालिया का घर प्रमुख है।ट इसके अलावा, दिल्ली, गाजीपुर और मऊ में 12 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की गई है। हालांकि, पुलिस को सफलता हाथ नहीं लगी। पुलिस अब उसे पकड़ने के लिए मुख्तार के करीबी गुर्गों के घर छापेमारी कर रही है। पुलिस ने 24 से अधिक लोगों के मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाए हैं। इससे पहले पुलिस टीम ने सोमवार और मंगलवार को एक साथ 4 एसीपी की अगुवाई में 23 जगहों पर छापेमारी की थी। आपराधिक मामलों से जमा की गई संपत्ति का ब्यौरा जुटाने में ईडी की टीम लगी हुई है। अब्बास के खिलाफ 12 अक्टूबर 2019 को फजीवांड़े का केस दर्ज किया गया था। इसमें एक ही लाइसेंस पर कई हथियार खरीदने का आरोप है। लखनऊ कोर्ट से अब्बास अंसारी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी हुआ था।

फिनलैंड और स्वीडन नाटो के सदस्य बने

वाशिंगटन । फिनलैंड और स्वीडन को आखिरकार नाटो (नार्थ अटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन) की सदस्यता मिल गई। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इंस्ट्रूमेंट ऑफ रेटिफिकेशन दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दोनों देशों को नाटो का सदस्य बनने पर बधाई दी। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह नाटो के विस्तार पक्ष में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर सदस्यों ने मतदान किया था। बाइडन के दस्तखत करने के बाद अब नाटो के सदस्य देशों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। बाइडन ने दोनों देशों का नाटो में शामिल होने पर स्वागत किया और कहा कि हमारा गठबंधन अब पहले से कई गुना ज्यादा मजबूत हो गया है।

नेपाल ने भारत के कोरोना संक्रमित पर्यटकों के प्रवेश पर लगाई रोक

काठमांडू। नेपाल में कोरोना संक्रमण मामलों की तेजी से बढ़ोतरी के बाद भारत से आने वाले कोरोना संक्रमित लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। चार भारतीय पर्यटक पश्चिमी नेपाल के बैताडी जिले में झूलाघाट सीमा बिंदु के रास्ते नेपाल में दाखिल हुए थे। बैताडी में स्वास्थ्य कार्यालय के सूचना अधिकारी बिपिन लेखक ने कहा कि चार भारतीय नागरिकों को कोविड पाजिटिव पाए जाने पर भारत वापस जाने के लिए कहा। लेखक ने कहा कि हमने भारतीयों पर कोरोना परीक्षण भी तेज कर दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत से लौटे कई नेपाली नागरिकों को कोरोना पाजिटिव पाया गया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उन भारतीय पर्यटकों को रोक दिया है, जिन्हें देश में प्रवेश करने से कोरोना संक्रमित पाया गया। वर्तमान में बैताड़ी में कोरोना के 31 सक्रिय मामले हैं, जहां तीन सप्ताह पहले तक एक भी मामला सामने नहीं आया था। नेपाल में वर्तमान में कोरोना के 5,874 सक्रिय मामले हैं।

चीन को तिब्बती बौद्धों को तंग करने का नया बहाना, कोरोना के नाम पर बंद किया पोटला पैलेस

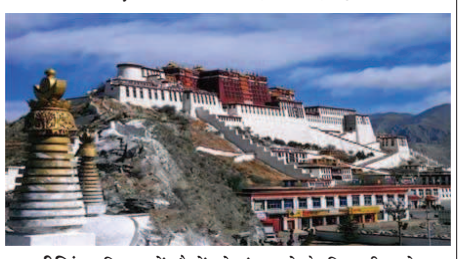

बीजिंग। तिब्बत में बौद्धों को तंग करने के लिए चीन को अब नया बाना मिल गया है। इसी के चलते हिमालय क्षेत्र में कोविड-19 के कुछ मामले सामने आने के बाद चीनी अधिकारियों ने तिब्बत के प्रसिद्ध पोटला पैलेस को बंद कर दिया है। चीन कोविड को लेकर सख्त नीति का पालन कर रहा है और इसके तहत लॉकडाउन, नियमित जांच, पृथकवास और यात्राओं पर रोक आदि पर जोर दे रहा है। हालांकि ज्यादातर अन्य देश फिर से खुल गए हैं।महल की सोशल मीडिया साइट पर एक नोटिस में कहा गया है कि महल को मंगलवार से बंद कर दिया गया है और इसके फिर से खोलने की तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। पोटला पैलेस एक समय तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरुओं का पारंपरिक आवास था।

तिब्बत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक पर्यटन पर निर्भर करती है और पोटला पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय स्थान है। चीन का कहना है कि उसकी सख्त नीति से कोविड के प्रसार पर काबू पाने में मदद मिली है। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई आलोचकों ने अर्थव्यवस्था और समाज पर इसके प्रभाव की निंदा की है।

सुरक्षा विशेषज्ञ ने संरा को किया आगाह, इस्लामिक स्टेट का अगला गढ़ हो सकता है अफ्रीका

संयुक्त राष्ट्र। अफ्रीका के सुरक्षा विशेषज्ञ मार्टिन एवी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को आगाह किया कि अफ्रीका में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन का खतरा हर दिन बढ़ रहा है और यह महाद्वीप उसकी ''खिलाफत का भविष्य'' हो सकता है।

एवी ने कहा कि इस्लामिक स्टेट ने अफ्रीका में अपना दबदबा बढ़ाया है और कम से कम 20 देश आतंकवादी संगठन की गतिविधियों का प्रत्यक्ष तौर पर अनुभव कर रहे हैं तथा 20 से अधिक अन्य देशों का इस्तेमाल धन तथा अन्य संसाधन जुटाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''ये अब क्षेत्रीय गढ़ हैं, जो अफ्रीका में अस्थिरता लाने का जरिया बन गए हैं।'

भारत ने आतंकवाद पर दुनिया को चेताया

संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा, कोई दोहरा मानदंड न अपनाए

न्यूयार्क। भारत ने आतंकवाद पर विश्व समुदाय को आगाह किया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने सुरक्षा परिषद के विशेष सत्र के संबोधन में कहा कि आतंकवाद से पूरी दुनिया को खतरा है। दुनिया आतंकवाद और आतंकवादियों को लेकर दोहरे मानदंड न अपनाए। अफ्रीका समेत विश्व के कई देशों में आतंकवाद फैल रहा है।

'आतंकी कृत्यों से अंतरराष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को खतरा' विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ब्रीफिंग में भी रुचिरा कंबोज ने भारत का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि हमें आतंकवाद को किसी प्रेरणा पर आधारित बताने से बचना चाहिए। इससे अवसरवादी लोगों को कुछ आतंकी गतिविधियों को जायज ठहराने का मौका मिलेगा।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत ने कहा कि आईएसआईएस अब अफ्रीका में पैर फैला रहा है। विश्व समुदाय को आतंकी खतरे को अलग-अलग नजरिये से देखना बंद कर इस पर पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके दुनिया के अन्य हिस्सों में भी फैलने का उतना ही खतरा है।

रुचिरा कंबोज ने कहा कि यह हमारा सुविचारित मत है कि दुनिया के किसी भी हिस्से में यदि आतंकवाद है तो वह समूची दुनिया की शांति व सुरक्षा के लिए खतरा है। इसलिए इस चुनौती को हमारा जवाब एकीकृत, समन्वित और सबसे जरूरी है कि यह प्रभावी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपको याद होगा कि 9/11 के कायरतापूर्ण हमले की 20 वीं बरसी के मौके पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद से साझा ढंग से मुकाबले के लिए कई सुझाव दिए थे।

इससे पहले आतंकवाद निरोधी समिति के कार्यवाहक कार्यकारी निदेशक वेक्सिओंग चेन ने मंगलवार को आशा जताई कि अक्टूबर में भारत में होने वाली आतंकवाद विरोधी विशेष बैठक बहुपक्षीय प्रयासों को और मजबूत करेगी। अक्टूबर में आतंकवाद से निपटने के नए उपाय ढूंढने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों की विशेष बैठक भी होगी। भारत इसकी मेजबानी करेगा।

उन्होंने कहा- 'मैं 28 से 30 अक्टूबर, 2022 तक नई दिल्ली और मुंबई में होने वाली आतंकवाद पर रोकथाम के उद्देश्यों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर आतंकवाद विरोधी समिति की आगामी विशेष बैठक की परिषद को सूचित करना चाहता हूं कि यह आयोजन हमारे बहुपक्षीय और बहुआयामी आतंकवाद विरोधी प्रयासों को और बढ़ाने और मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।'

दबाव की रणनीतिः चीन ने 17 अगस्त तक बढ़ाया ताइवान सीमा पर सैन्य अभ्यास

ताइपे। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा से गुस्साए चीन ने ताइवान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर काम शुरू किया है। चीन ने ताइवान सीमा पर गुरुवार को चार दिन के लिए सैन्य अभ्यास शुरू करने की घोषणा की थी लेकिन चार दिन पूरा होने के बाद इसे 17 अगस्त तक बढ़ा दिया है।

नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के विरोध में चीन द्वारा शुरू सैनिक अभ्यास को आगे बढ़ाया जाना ताइवान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति माना जा रहा है। कहा जा रहा है कि लगातार सैन्य अभ्यास कर चीन इसे एक सामान्य बात बना देना चाहता है। चीन अब ताइवान के जल और वायु क्षेत्रों में उस जगह जाकर सैनिक अभ्यास कर रहा है, जहां अब तक वह नहीं जाता था। अमेरिकी राष्ट्रपति के सशस्त्र सेनाएं स्थिति पर नजर बनाए रखेंगी और जरूरत पड़ने

कार्यालय ने चीन की इस कार्रवाई को 'भड़काऊ' और 'गैर जिम्मेदाराना' करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने भी एक बयान में कहा कि उसकी पर ताइवानी लड़ाकू विमान, नौसैनिक वाहन और मिसाइल प्रणालियां जवाब देंगी।

चीन ने सभी विदेशी जहाजों और विमानों से कहा है कि इस अभ्यास के दौरान वह घोषित अभ्यास क्षेत्र से दूर रहें। विश्लेषक इस ऐलान को ताइवान की घेराबंदी मान रहे हैं। ताइवान के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ एडमिरल लो सी-मिन के मुताबिक मिसाइल दागना और सैनिक अभ्यास करना ताइवान से जोर-जबरदस्ती करने का हिस्सा है। उनका मकसद यहां घेरेबंदी करना नहीं है। इस अभ्यास के जरिए चीन यह दिखाना चाहता है कि ताइवान के चारों तरफ उसका पूरा नियंत्रण है। ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन ने कहा है कि ताइवान अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा। उन्होंने एक ताजा बयान में कहा कि हम बेसब्र और भड़काऊ नहीं हैं लेकिन यह हमारा दृढ़ संकल्प है कि ताइवान चुनौतियों के आगे नहीं झुकेगा।

चिप मैन्यूफैक्चरिंग में चीन का दबदबा खत्म होगा: बाइडेन ने 200 अरब डॉलर के बिल को मंजूरी दी, अमेरिकी कंपनियों को फायदा होगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक बेहद अहम बिल पर सिग्नेचर कर दिए। इस बिल के जरिए अमेरिका अब चीन के सेमीकंडक्टर और चिप प्रोडक्शन में दबदबे को खत्म करेगा। 200 अरब डॉलर के इस बिल के जरिए अमेरिकी कंपनियों को मदद दी जाएगी ताकि वो इस फील्ड में चीन को पछाड़ सकें। चीन और ताइवान के बीच जारी विवाद में दुनिया के सामने सबसे बड़ा संकट इन्हीं सेमीकंडक्टर और चिप को लेकर है। चीन अगर ताइवान पर हमला करता है तो सेमीकंडक्टर और चिप के मार्केट में करीब 70त्न की आवक कम हो जाएगी। ताइवान 63 जबकि चीन करीब 7त्न सेमीकंडक्टर और चिप बनाता है।

खबर के मुताबिक, चिप्स एंड साइंस एक्ट नाम के इस बिल में अमेरिकी कंपनयों को 200 अरब डॉलर अलॉट किए गए हैं। इसके जरिए पांच साल में अमेरिकी कंपनियां चीन को न सिर्फ कम्पीट कर सकेंगी, बल्कि पीछे भी छोड़ देंगी। कोवड-19 के दौर में अमेरिका समेत दुनिया की कई मोबाइल और कार मैन्यूफेक्चरिंग कंपनियों के सामने इन चिप्स की वजह से बड़ा संकट पैदा हो गया था। तब न तो इनका प्रोडक्शन हो पा रहा था और न ही सप्लाई।

बाइडेन ने कहा- आज से 50 या 100 साल बाद भी दुनिया इस बिल और इसके पास जाने की तारीख याद करेगी। यह बिल कितना अहम है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ने इसका पूरा समर्थन किया। एक आंकड़े के मुताबिक, इस बिल से अमेरिका में 40 हजार परमानेंट जॉब भी क्रिएट होंगे। इसके पहले बाइडेन ने 50 अरब डॉलर इस सेक्टर के लिए दिए थे। हालांकि, तब यह बजट पूरे इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर को बूस्ट देने के लिए थी। इस बार जो 200 अरब डॉलर दिए जा रहे हैं वो पूरी तरह सेमीकंडक्टर और चिप प्रोडक्शन और रिसर्च पर ही खर्च होंगे। अमेरिका की तमाम बड़ी इलेक्ट्रॉनिक कंपनियां नए सिरे से इस पर रिसर्च और प्रोडक्शन में जुटेंगी। इस प्रोजेक्ट का ब्लू प्रिंट पहले ही तैयार कर लिया गया है। लिहाजा, ये माना जा रहा है कि इस पर बहुत जल्द काम शुरू भी हो जाएगा।

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश से 8 की मौत, सड़कों पर जल सैलाब

सियोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल क्षेत्र में भारी बारिश के कारण 8 लोगों की मौत हो चुकी है और जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार सियोल के गंगनम जिले में सड़कों पर जल सैलाब के हालात हैं। भारी बारिश से 6 लोग लापता है।

सियोल क्षेत्र में सोमवार से शुरू हुई बारिश भी जारी रहने से करीब 800 घर क्षतिग्रस्त हो गए। 400 से अधिक लोगों को अपना घर खाली करना पड़ा। अति बारिश के कारण करीब 80 सड़कों व नदियों के किनारे बनी पार्किंग को खाली करवाना पड़ा। कई जिलों में यातायात सेवा ठप हो चुकी है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने जोखिम वाले क्षेत्र में फंसे लोगों

को जल्द बाहर निकालने का आदेश दिया है। सियोल के डोंगजाक जिले में सुबह नौ बजे तक 42 सेंटीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई। राष्ट्रपति येओल ने कहा कि भारी बारिश कई दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही उन्होंने बारिश के चलते कई जिलों में भूस्खलन और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों को तैयार रहने को कहा है। इस बीच राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि सियोल की अधिकांश मेट्रो सेवाएं सामान्य परिचालन में वापस आ गई हैं, लेकिन सुरक्षा चिंताओं के कारण दर्जनों सड़कें बंद कर दी गई। गंगनम शहर में कारें और बसें कीचड़ भरे पानी में फंसी हुई थीं। मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियों से झरने की तरह पानी गिरते हुए देखा गया। यहां पर कई यात्री फंस गए थे। पास के शहर सेओंगनाम में बारिश के चलते एक पहाड़ी विश्वविद्यालय के फुटबॉल मैदान में गिर गई। इसके साथ ही आसपास के शहरों ग्वांगजू और ह्वासेओंग में भूस्खलन से तीन लोगों की मौत हो गई।

इजराइली सेना ने कई रॉकेट दागे। इनमें से एक रॉकेट ने फिलिस्तीन की 5 मंजिला इमारत को तबाह कर दिया।

क्रीमिया में रूसी 'एयर बेस' पर भीषण विस्फोट, एक व्यक्ति की मौत व कई घायल

क्रीमिया। क्रीमिया में रूसी वायु सेना के एक अड्डे पर हुए कई शक्तिशाली विस्फोटों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हालांकि काला सागर में साकी अड्डे पर गोलाबारी की बात से इनकार कर दिया और कहा कि वहां पर युद्ध संबंधी सामग्री को नष्ट किया गया है। वहीं, यूक्रेन में 'सोशल नेटवर्क' पर ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि यूक्रेन द्वारा दागी गई लंबी दूरी की मिसाइल के कारण विस्फोट हुए।

'सोशल नेटवर्क' पर साझा किए गए वीडियो में विस्फोटों से बना धुएं का विशाल गुबार नजर आ रहा है। 'क्रीमिया टूडे न्यूज' ने टेलीग्राम पर बताया कि चश्मदीदों के अनुसार रनवे पर आग लग गई और दर्जनों धमाकों की वजह से

आस-पास के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रारंभिक जांच में ''सुरक्षा उपायों के उल्लंघन' के कारण विस्फोट होने की बात सामने आई है। मंत्रालय के अनुसार कोई लड़ाकू विमान क्षतिग्रस्त नहीं हुआ है।यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने फेसबुक पर व्यंग्यात्मक रूप से कहा, '' यूक्रेन का रक्षा मंत्रालय आग के कारण का पता नहीं लगा पा रहा है, लेकिन यह एक बार फिर अग्नि सुरक्षा के नियमों और अनिर्दिष्ट स्थानों में धूम्रपान निषेध होने के नियमों की ओर ध्यान खींचता है।' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्तोविच ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में रहस्यमय ढंग से कहा कि विस्फोट या तो यूक्रेन के लंबी दूरी के हथियार के कारण हुए या यह क्रीमिया में सक्रिय कट्टरपंथियों का काम है। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में रूस ने यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई शुरू की थी और अगर वास्तव में यूक्रेन द्वारा यह हमला किया गया है, तो यह उसका क्रीमिया प्रायद्वीप में किसी रूसी सैन्य ठिकाने पर पहला बड़ा हमला होगा।

बाइडन सीएएटीएसए प्रतिबंधों से भारत को मिली खास छूट की प्रक्रिया में तेजी लाएंगे : खन्ना

वाशिंगटन। प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भारत को सीएएटीएसए प्रतिबंधों से मिली खास छूट की प्रक्रिया में तेजी लाएंगे क्योंकि उनके पास ''राजनीतिक बढ़त'' और कांग्रेस के 300 सदस्यों का समर्थन है। उन्होंने कहा कि हाल में अमेरिका की प्रतिनिधि सभा द्वारा भारत को रूस से एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए सीएएटीएसए प्रतिबंधों से खास छूट दिलाने वाले विधेयक पारित करना असैन्य परमाणु समझौते के बाद हुआ सबसे अहम मतदान है। खन्ना द्वारा पेश किए गए इस विधेयक में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन से भारत को चीन जैसे आक्रामक रुख वाले देश को रोकने में मदद करने के लिए 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस एक्ट' (सीएएटीएसए) से छूट दिलाने के लिए अपने अधिकार का इस्तेमाल करने का अनुरोध किया गया है। खन्ना ने को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''अमेरिका-भारत संबंध पहले कभी इतने महत्वपूर्ण नहीं रहे। जब आप एक विस्तारवादी चीन को

विस्तारवादी रूस के साथ देखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह 21वीं सदी के संबंधों को नया आयाम देने जा रहा है। हमें भारत को स्पष्ट संदेश देने की जरूरत है कि अमेरिका इस संबंध को बहुत महत्वपूर्ण मानता है।'' यह विधेयक अभी अमेरिकी सीनेट में पारित नहीं हुआ है। इसके बाद ही इसे राष्ट्रपति बाइडन के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा। वर्ष 2017 में पेश सीएएटीएसए के तहत रूस से रक्षा और खुफिया लेन-देन करने वाले किसी भी देश के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का प्रावधान है। इसे 2014 में क्रीमिया पर रूस के कब्जे और 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में मॉस्को के कथित हस्तक्षेप के जवाब में लाया गया था। खन्ना ने कहा, ''इस संशोधन में, कांग्रेस के 300 सदस्य राष्ट्रपति बाइडन से प्रतिबंधों में छूट देने के लिए कह रहे हैं तो यह उस रिश्ते के लिए बहुत बड़ा समर्थन है। यह भारत के साथ असैन्य परमाणु समझौते के बाद से सदन में सबसे ऐतिहासिक मतदान है।'' हाल में ताइवान गई अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की अगुवाई वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे खन्ना ने कहा कि सदन द्वारा पारित इस संशोधन विधेयक को बाइडन प्रशासन का समर्थन हासिल है।

धोखाधड़ी के आरोप में भारतवंशी को 10 माह की जेल, रामायण स्थलों पर ध्यान देगा श्रीलंका

सिंगापुर। भारतीय मूल के अरिवलगन मुथुसामी को घोटाले में संलिप्तता के लिए दस महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। मुथुसामी को कंप्यूटर दुरुपयोग अधिनियम के तहत तीन आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद यह सजा सुनाई गई। अरिवलगन ने 'स्टारहब' पर कई वॉइसमेल मेलबॉक्स तक पहुंच प्राप्त की और विभिन्न व्हाट्सऐप खातों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए इनका इस्तेमाल किया। इनमें से कुछ अकाउंट का इस्तेमाल एक घोटाले में किया गया, झांसे में आए तीन लोगों ने एक सिंडिकेट को 83,750 सिंगापुर डॉलर (48,32,349 रुपये) हस्तांतरित किए थे।

आतंकियों ने समझौते के बाद बंधक पुलिसकर्मियों को छोड़ा

प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने बंधक बनाए गए डीएसपी समेत चार पुलिसकर्मियों को करार के बाद सुरक्षित छोड़ दिया। इस बातचीत में स्थानीय जिरगा ने मध्यस्थता की। तालिबान ने बंधकों को स्वात जिले की पेउचर घाटी के जिरगा सदस्यों के हवाले कर दिया।

एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि अफगानिस्तान के दिर जिले से उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में प्रवेश करते समय पुलिस और टीटीपी आतंकियों में भीषण फायरिंग हुई। टीटीपी ने चारों पुलिसकर्मियों को बंधक बना लिया। टीटीपी ने जिरगा के सामने कहा कि काबुल शांति वार्ता के करार का वह कड़ाई से पालन कर रहे हैं, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बल उन्हें निशाना बना रहे हैं। टीटीपी के मुताबिक, समझौते में स्वात जिले में जाने की अनुमति की बात है, लेकिन पुलिस ने उन्हें निशाना बनाया। श्रीलंका के नवनियुक्त पर्यटन दूत और क्रिकेट खिलाड़ी सनत जयसूर्या ने कहा कि उनका देश भारतीय पर्यटकों के लिए रामायण से जुड़े स्थलों की यात्रा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहा द्वीप राष्ट्र आर्थिक सुधार के लिए पर्यटन को बढ़ावा देना चाहता है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेट कप्तान जयसूर्या ने इससे पहले कोलंबो में भारत के उच्चायुक्त गोपाल बागले से मुलाकात भी की। बैठक भारत-श्रीलंका के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक सुधार के लिए एक माध्यम के रूप में पर्यटन को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी। जयसूर्या ने मंगलवार को कहा कि मुलाकात के लिए सहमत होने पर बागले का धन्यवाद। बता दें, श्रीलंका में रामायण से जुड़े 52 स्थल हैं। विस्कॉन्सिन में गुरुद्वारे पर हुए हमले की 10वीं बरसी पर पिछले सप्ताह हुई स्मृति सभा में अमेरिकी सरकार के एक शीर्ष अधिकारी राशद हुसैन ने भाग लिया था।

संपादकीय

नीतीश होने के मायने

कहते हैं इतिहास खुद को दोहराता है, वह बात अलग है कि वह कुछ अलग रूप में सामने आता है। बिहार में नीतीश कुमार का भाजपा व महागठबंधन में आना-जाना कुछ यही कहता है। अजब संयोग है मंगलवार को जहां महाराष्ट्र में शिवसेना सरकार में भाजपा विधायक मंत्रिमंडल में शामिल हो रहे थे, वहीं बिहार सरकार से उनकी विदाई हो रही थी। यूं तो लंबे समय से राजग में भाजपा व जदयू के रिश्तों में खटास चली आ रही थी। भले ही केंद्र व राज्य सरकार में वे साथ थे लेकिन विश्वास के धरातल पर दूर थे। कहीं न कहीं नीतीश कुमार को यह लगने लगा है कि भाजपा उनकी पार्टी की जमीन कुतर रही है। पहले विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान द्वारा नीतीश के खिलाफ मुहिम चलाकर जदयू की सीटें कम करने के आरोप लगाये गये, फिर पार्टी के अध्यक्ष व सांसद के भाजपा में शामिल होने को नीतीश कुमार ने गंभीरता से लिया। बहरहाल, जिस तेजी से भाजपा से नाता तोड़ नीतीश ने राजद का दामन थामा, उसके सीधा असर बिहार से लेकर दिल्ली की राजनीति तक पड़ना लाजमी है। निस्संदेह, सवाल ये भी उठेगा कि पांच साल पहले कदाचार के आरोप लगाकर जिस राजद को छोड़ नीतीश ने भाजपा का दामन थामा था, क्या उस दल में राजनीतिक शुचिता कायम हो गई है? वे तुरत-फुरत आठवीं बार मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री बने हैं। उनके साथ कांग्रेस, वाम दल समेत कई छोटे दल शामिल हैं। निस्संदेह, इसके मूल में एक सशक्त विपक्ष की आकांक्षा भी निहित है। इस राजनीतिक घटनाक्रम की सरल व्याख्या यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा व जदयू के संबंधों में जो खटास पैदा हुई थी उसकी परिणिति इस अलगाव के रूप में हुई है। लेकिन इसके अलावा कई कारण अलगाव की वजह बनें। कई मुद्दों पर जदयू सैद्धांतिक रूप से भाजपा से सहमत नहीं थी।

यूं तो बिहार विधानसभा अध्यक्ष से लेकर राज्य भाजपा प्रभारी के व्यवहार को लेकर नीतीश कुमार नाराज थे। लेकिन हाल ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पटना में क्षेत्रीय दलों के बाबत की गई टिप्पणी ने आग में घी का काम किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि कई राष्ट्रीय पार्टियां सिमट गई और अब क्षेत्रीय दलों का पराभव होगा। निश्चित रूप से नीतीश ने इसे जदयू के लिये खतरे की घंटी के रूप में लिया। इसके अलावा कई और मुद्दे थे जिनको लेकर नीतीश भाजपा से नाराज चल रहे थे। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, जाति आधारित जनगणना, एनआरसी, अग्निपथ योजना पर वे अपने तेवर दिखा चुके थे। हाल ही में बिहार विधानसभा के समारोह के लिये छपे निमंत्रण पत्र पर उनका नाम न छापने को भी उन्होंने गंभीरता से लिया। यही वजह है कि राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति चुनाव के बीच हुए समारोहों व नीति आयोग की बैठक में नीतीश नजर नहीं आये। वहीं राजनीतिक पंडित केंद्र की राजनीति में नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में उभरने की नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा को भी इस फैसले के मूल में देख रहे हैं। कुछ लोग नीतीश के फैसले को राजनीतिक अवसरवाद के रूप में देख सकते हैं, लेकिन वहीं कुछ लोग मानते हैं कि वे पार्टी के अस्तित्व को बचाने के लिये भाजपा से अलग होकर राजद के बगलगीर हुए हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि अपने वोट बैंक व राजद ,कांग्रेस तथा वाम समर्थक वर्ग के बूते वे न केवल बिहार बल्कि झारखंड व उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिये बड़ी चुनौती खड़ी कर सकते हैं। यह तो तय है कि इस घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रतिक्रिया देगी। यानी विधानसभा के शेष कार्यकाल में राजनीतिक लड़ाई तेज ही होगी। वहीं दूसरी ओर राजग के सामने न केवल भाजपा में मुख्यमंत्री का चेहरा जुटाने की चुनौती होगी, वहीं अगले आम चुनाव में उसे बिहार में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। शपथ ग्रहण के बाद नीतीश जिस तरह भाजपा व नरेंद्र मोदी पर हमलावर हुए हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है।

मुश्किल में ट्रंप

मेरिका में दोबारा राष्ट्रपति बनने की दावेदारी हासिल करने के प्रयास में जुटे रिपब्लिकन नेता और व्यवसायी ड़ोनाल्ड ट्रंप को एफबीआई ने जोरदार झटका दिया है। एफबीआई ने फ्लोरिड़ा में पाम बीच स्थित ट्रंप के निजी क्लब और निवास 'मार-ए-लागो एस्टेट' पर छापेमारी की। ट्रंप ने छापों को 2024 में व्हाइट हाउस पहुंचने के उनके प्रयासों में अड़ंगा लगाने वाला करार दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह हमारे देश के लिए काला दौर है क्योंकि एफबीआई एजेंटों ने उनके घर पर छापा मारा और उसे कब्जे में ले लिया। अमेरिका के किसी वर्तमान या पूर्व राष्ट्रपति के साथ ऐसा कुछ कभी पहले नहीं हुआ। नेशनल अर्काइव्स एंड रिकॉर्ड्स एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है

कि उसे मार-आ-लागो एस्टेट के पास से गोपनीय दस्तावेज के 15 बक्से इस साल की शुरु आत में मिले थे। नेशनल अर्काइव्स का कहना है कि ट्रंप ने पद से हटने पर इन दस्तावेज को फेंक दिया होगा। नेशनल अर्काइव्स ने ही न्याय विभाग को इसकी जांच करने को कहा था। इसी जांच में अब तेजी आ गई है। पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कि क्या इन गोपनीय दस्तावेज के यहां पहुंचने के पीछे ट्रंप की कोई भूमिका है। यह सब कुछ ऐसे वक्त में हो रहा है जब ट्रंप पर 2020 में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को कथित तौर पर पलटने की कोशिशों के खिलाफ ग्रैंड ज्यूरी की जांच चल रही है। ट्रंप ने चुनाव में हार को स्वीकार करने से मना कर दिया था। उनके चार साल के शासन के दौरान भी एफबीआई और संसदीय कमेटियां उनके खिलाफ जांच कर रही थीं। ट्रंप और उनके समर्थकों का कहना है कि यह कार्रवाई क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का नतीजा है। डेमोक्रेटिक पार्टी उन्हें 2024 का चुनाव जीतने से रोकने की कोशिश कर रही है। ट्रंप का आरोप है कि ऐसा हमला तीसरी दुनिया यानी गरीब और विकासशील देशों में ही हो सकता है। व्हाइट हाउस का कहना है कि उन्हें छापों के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर व्रे को पांच साल पहले ट्रंप के शासन में ही नियुक्त किया गया था। अमेरिका में गोपनीय दस्तावेज के प्रशासन और देखभाल से जुड़े बहुत सारे संघीय कानून हैं। इस तरह के दस्तावेज को व्हाइट हाउस से बाहर ले जाना और गैर-आधिकारिक जगहों पर रखना अपराध है। बड़बोले ट्रंप को दोषी पाए जाने पर इस मामले में सजा भी हो सकती है।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी की एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

फहराएं 'तिरंगा' तो यह रखें ख्याल

प्रभुनाथ शुक्ल

राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे 'विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा'। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी।

तीन रंगों का मतलब: हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी हमारी ताकत को दर्शाती है। सफेद रंग की पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी विकास, उर्वरता और समृद्धि का द्योतक है। सफेद रंग की पट्टी के मध्य स्थापित 'चक्र' अशोक स्तंभ से लिया गया है। चक्र के भीतर कुल 24 से तीलियां है। यह भारत के निरंतर प्रगति का संकेत देती है। संविधान सभा की बैठक में 22 जुलाई, 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता मिली। हालांकि इसके पूर्व भी कई तरह के झंडे देश और विदेश में फहराए गए, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार नहीं किया गया था।

राष्ट्रीय ध्वज का करें सम्मान: राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह हमारे गौरव, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक है। इसके सम्मान की हर हालत में रक्षा की जानी चाहिए। तिरंगे का अपमान राष्ट्र का अपमान होता है। फटे-पुराने एवं कटे हुए तिरंगे को नहीं फहराया जाना चाहिए। संविधान सभा की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के रूप में इसे अंगीकार किए जाने के बाद अभी सिर्फ एक बदलाव किया गया जिसमें चरखे की जगह अशोक स्तंभ के 'चक्र' का उपयोग किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज में कोई भी बदलाव नहीं हुआ।

फ्लैग कोड ऑफ इंडिया: राष्ट्रीय ध्वज के रोहण के लिए भी नियम बनाए गए हैं। भारतीय ध्वज संहिता यानी 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' में सब वर्णित है। भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी 2002 को प्रभावी हुई है। भारतीय ध्वज संहिता 2002 को पुन-30 दिसंबर 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया है। इसमें राष्ट्रीय ध्वज हाथ से कते और बुने हुए या मशीन से कते कॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम या फिर खादी की

> राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे 'विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा'। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी

पट्टी से बनाया जा सकता है।

हर नागरिक फहरा सकता है तिरंगा: भारत का कोई भी नागरिक अपने निजी या सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर पर तिरंगा फहरा सकता है। हालांकि इसके पूर्व यह अनुमति नहीं थी, लेकिन दिसंबर 2002 में संविधान संशोधन के जरिए अनुमति दी गई। साल 2009 में रात्रि में भी तिरंगे को फहराने की अनुमति दी गई। पूरे भारत में 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा तिरंगा सिर्फ तीन स्थानों पर फहराया जाता है। इनमें कर्नाटक का नारगुंड किला, महाराष्ट्र में पनहाला किला और मध्य प्रदेश का ग्वालियर किला शामिल है।

राष्ट्रीय ध्वज पर लिखना अपराध है: जब हम ध्वजारोहण करते हैं तो हमें हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि हमारे दाहिने तरफ ध्वज होना चाहिए। हमारी ध्वज संहिता में प्लास्टिक का झंडा फहराने पर रोक है। लेकिन बदली परिस्थितियों और व्यापारिक स्थितियों में खूब प्लास्टिक के झंडे का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई 3:2 के अनुपात में होनी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पर कोई भी चित्र या लेखन नहीं होना चाहिए। तिरंगे का उपयोग व्यावहारिक कार्यों में किसी भी तरीके से नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी भी जमीन से नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के पास किसी भी धार्मिक या अन्य संस्था के झंडे को नहीं लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय ध्वज पर किसी भी प्रकार कि कशीदाकारी, कुशन , रूमाल , नैपकिन नहीं बनाई जा सकती है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी वस्तु को लपेटने , कोई वस्तु प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी भी वाहन की साइडस , पृष्ठ भाग और ऊपर का भाग ढंकने के लिए नहीं किया जाएगा। इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक हर मौसम में सभी दिनों में फहराया जा सकता है। झंडे को तेज गति से फहराया जाना चाहिए और धीरे-धीरे नीचे उतारा जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पानी , जमीन , फर्श या पगडंडी को नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी ऐसे तरीके से प्रदर्शित या बांधा नहीं जाएगा, जिससे उसके क्षति होने की संभावना हो।

राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा न फहराएं: राष्ट्रीय ध्वज उल्टा करके कभी भी प्रदर्शित नहीं किया जाएगा अर्थात केसरिया पट्टी को नीचे की पट्टी के रूप में नहीं रखना चाहिए। क्षतिग्रस्त या अस्त - व्यस्त राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज किसी भी समय नीचे नहीं झुकना चाहिए। किसी भी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज से ऊपर या उसके अगल-बगल में नहीं रखा जाएगा। किसी तरह की फूल माला या प्रतीक के साथ कोई वस्तु नहीं रखी जाएगी। 'राष्ट्रीय सम्मान' के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग निजी स्तर पर की जाने वाली अंत्येष्टि अथवा अंत्येष्टि के दौरान आवरण के रूप में नहीं किया जा सकता।

कब झुकता है राष्ट्रीय ध्वज: देश में राष्ट्रीय शोक की स्थिति में तिरंगा झुकाया जाता है। देश में जितने दिन का राष्ट्रीय शोक रहता है तिरंगा तब तक झुका रहता है। राष्ट्रीय शोक खत्म होते ही तिरंगा को अपनी ऊंचाई पर सम्मानित कर दिया जाता है। देश के राष्ट्राध्यक्षों और सैनिकों के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर अंतिम विदाई दी जाती है। बाद में ध्वज को सम्मान स्वरूप किसी नदी या गुप्त स्थान पर नष्ट कर दिया जाता है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हम सभी भारतीयों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं करेंगे और जीवन पर्यन्त उसका सम्मान करेंगे। तिरंगा समूचे भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ राष्ट्र के सम्मान में हमें ध्वजारोहण करना चाहिए। अंतिम सांस तक उसके सम्मान की रक्षा का हमें संकल्प भी लेना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विचार मंथन

मंदी में दुनिया

सिद्धार्थ शंकर

रूस-यूक्रेन युद्ध का असर इटली समेत यूरोप के कई देशों की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। रूस से मिलने वाले कच्चे तेल पर काफी हद तक निर्भर पूर्वी यूरोप के कुछ हिस्से, जर्मनी, इटली एवं तुर्की के लोगों के लोगों के लिए चीजें पहले से महंगी हो गई हैं। डॉलर के मुकाबले 20 वर्ष में पहली बार यूरो में 12 फीसदी की गिरावट देखी गई है। एक यूरो एक डॉलर पर पहुंच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से उत्पन्न ऊर्जा संकट को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है। इसकी वजह से यूरोपीय देशों में आर्थिक मंदी का खतरा उत्पन्न हो गया है। देर-सबेर इसकी छाया भारत पर भी पडऩी तय है। भारत भी अब तक कोविड के नकारात्मक प्रभाव से बाहर नहीं आ सका है। युद्ध के संकट के चलते बाजार में मंदी का प्रभाव है। यह समय हमारे चेतने का है और तैयारियां करने का है। कड़े कदम के तहत हाल ही में रूस ने नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन के रखरखाव की बात कहकर इटली को गैस आपूर्ति में कटौती की है।

यूरोप के अन्य देशों में भी हालात बिगड़ रहे हैं। खाद्यान्न संकट और गैस, एवं पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में कमी की वजह से यह समस्या सामने आई है। बिगड़ती आर्थिक और ऊर्जा संकट की स्थिति से निपटने के लिए इटली आपातकालीन कदम उठाने को मजबूर है। यूरोजोन में महंगाई की दर 8.6 है। जर्मनी को 1991 के बाद पहली बार व्यापार घाटा हुआ है। इसकी वजह तेल की कीमत में काफी तेजी है, सप्लाई चेन की मुश्किलों की वजह से आयात की लागत बढ़ गई है। हंगरी की सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आपातकाल स्थिति की घोषणा की है। हंगरी ने ऊर्जा संसाधनों और

जलाऊ लकड़ी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले देशों में महंगाई रिकॉर्ड दर स्तर पर पहुंच गई है। यूरोप की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक साथ कई मोर्चे पर संकट से जूझ रही है। महामारी और युद्ध के संकट ने महंगाई बढ़ा दी है और विकास घट गया है। एक तरफ यूक्रेन युद्ध के प्रभाव में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं तो दूसरी तरफ कोविड की महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी पूरी तरह से लौटी नहीं है। इन देशों में रहने वालों के घरेलू खर्च का बजट गड़बड़ा गया है। यह आशंका भी लगातार बनी हुई है कि रूस से तेल और गैस की सप्लाई आने वाले हफ्तों या महीनों में रुक सकती है। रूस दुनिया में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक है। जाहिर है कि इस आशंका ने तेल और गैस की कीमतों को और ज्यादा बढ़ाया है। महामारी के चलते बीते दो साल से ज्यादा समय में तेल की मांग और कीमत काफी नीचे चले गए थे। इसके नतीजे में तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और उसके सहयोगी रूस ने उत्पादन बढ़ाने में काफी सावधानी बरती और फिर तेल के दाम ऊपर चले गए। युद्ध शुरू होने से पहले ही बढ़ रही तेल की कीमतों को अब पर लग गए हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते कई जर्मन कंपनियों के उत्पादन में बाधा आई है। प्रमुख कार कंपनी फोल्क्सवागन को तो कई बार अपनी फैक्ट्री बंद करने की नौबत आ गई।

इसी हफ्ते की शुरुआत

में 2022 के लिए जर्मनी ने विकास दर का अनुमान 3.6 फीसदी से घटा कर 2.2 कर दिया। महंगाई के कारण फ्रांस में भी पहली तिमाही में विकास दर घट कर शून्य हो गयी है. इससे पहले अनुमान लगाया गया था कि यह 0.3 फीसदी बढ़ेगी। इसी तरह वहां सालाना विकास दर भी अप्रैल में बढ़ कर 4.8 हो गई है जो एक महीने पहले 4.5 फीसदी थी। फ्रांस की अर्थव्यवस्था ने पिछले साल मजबूत वापसी की थी और ऐसा लग रहा था कि कोरोना काल में हुए नुकसान की सारी भरपाई हो गई लेकिन अब जो हालात बन रहे हैं उसमें मंदी का आशंका जोर पकड़ रही है। कीमतों के ज्यादा होने से मांग में तेजी नहीं आ रही है दूसरी तरफ ऊर्जा और खाने पीने की चीजों की सप्लाई पर संकट मंडरा रहा है।

पर्यावरण

पेड़ों पर भी बांधी जाती है राखी

सुरेश भाई

चिपको के बाद रक्षा सूत्र आंदोलन 1994 में वनों की व्यावसायिक कटाई के खिलाफ प्रारंभ हुआ था।

उत्तराखंड में भिलंगना, बालगंगा, धर्म गंगा, जलकुर, अलकनंदा, भागीरथी नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र में 10-11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित रयाला, चौरंगी खाल, हरसिल, हारूंता, अडाला आदि वन क्षेत्रों में व्यावसायिक कटाई प्रारंभ हुई थी। इससे चिंतित होकर नवयुवकों ने एक पर्यावरण टीम गठित करके वनों में जाकर कटान का अध्ययन किया। पाया कि वन विभाग ने वन निगम के साथ मिलकर हजारों हरे पेड़ों पर छपान कर रखा था और अंधाधुंध कटान हो रहा था। इसकी सूचना मिलने पर ग्रामीण सजग हुए। उन्होंने जानने का प्रयास किया कि वन निगम आखिर, किसकी स्वीकृति से हरे पेड़ काट रहा है।

पता चला कि क्षेत्र के ग्राम प्रधानों से ही वन विभाग ने मुहर लगवा दी थी कि उनके आसपास के जंगलों में काफी पेड़ सूखे हुए हैं, जिसके कारण गांव की महिलाएं जंगल में आना-जाना नहीं कर पा रही हैं। दुर्भाग्य की बात यह थी कि प्रतिनिधियों को ही जंगलों को काटने का ठेका मिला हुआ था जिसके कारण ग्रामीणों को पहले अपने ही जनप्रतिनिधियों से संघर्ष करना पड़ा। वन कटान रोकने के लिए टिहरी-उत्तरकाशी के थाती, खवाड़ा, भेटी, डालगांव, दिखोली, चौंदियाटगांव, भेटियारा, कमद, मुखेम, हरसिल, मुखवा, उत्तरकाशी आदि गांव के लोगों ने बैठक में निर्णय लिया कि पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधे जाएंगे। इसे रक्षा सूत्र आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

इसकी मांग थी कि जंगलों से सर्वप्रथम लोगों के हक हकूक पूरे होने चाहिए और कटान का सर्वाधिक दोषी वन निगम में आमूलचूल परिवर्तन करने की मांग उठाई गई। यह भी मांग थी कि गांव वालों की आवश्यकता की पूर्ति के बाद जंगल में इससे अधिक वन उत्पाद प्राप्त हो सकते हैं, तो निश्चित ही इसका इस्तेमाल दूसरी जगह होना चाहिए। ऊंचाई की दुर्लभ वन प्रजाति कैल, मुरैंडा, खरसू, राई, दालचीनी, देवदार आदि की लाखों

प्रजातियों को बचाने का काम रक्षा सूत्र आंदोलन ने किया है। इन वन प्रजातियों के कारण वग्रा नियंत्रित रहती है, और निचली घाटियों की ओर पानी के स्रेत निकल कर आते हैं। रक्षा सूत्र आंदोलन के कारण महिलाओं का पेड़ों से भाइयों का जैसा रिश्ता बना है। जिस तरह चिपको आंदोलन की महिला नेत्री गौरा देवी ने जंगल को अपना मायका कहा है, उसको रक्षा सूत्र आंदोलन ने मूर्त रूप दिया है। प्रभावी रूप से वनों पर जनता के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा का बीड़ा उठाया है।

हिमालयी पर्यावरण शिक्षा संस्थान ने रक्षा सूत्र आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए ग्राम वन के विकास-प्रसार पर भी ध्यान दिया। इसके अंतर्गत जहां-जहां लोग परंपरागत तरीके से वन बचाते रहे हैं, और इसका संतुलित दोहन भी करते हैं, ऐसे कई गांवों में ग्राम वन के संरक्षण के लिए पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधे जाते हैं। ग्राम वन की व्यवस्था गांव आधारित चौकीदारी प्रथा से की जाती है। इसके कारण गांव वालों की चारपति, जंगली जानवरों से खेती व फसल सुरक्षा, पड़ोसी गांव से भी जंगल की सुरक्षा की जाती है।

इस कारण महिलाओं के कष्टमय जीवन को राहत मिलती है। वन संरक्षण व संवर्धन के साथ-साथ जल संरक्षण के काम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया। गांव-गांव महिला संगठनों द्वारा अग्नि नियंत्रण के लिए भी स्थान-स्थान पर रक्षा सूत्र आंदोलन चल रहा है। इस कार्य में उत्तराखंड की अनेकों क्रांतिकारी महिलाएं आगे आई जिनमें मंदोदरी देवी, जेठी देवी, सुशीला पैन्यूली, सुमति नौटियाल, बसंती नेगी, मीना नौटियाल, कुवारी कलूड़ा, गंगा देवी चौहान, हिमला, विमला, उमा बिष्ट, अनीता बिष्ट आदि शामिल हैं।

रक्षा सूत्र आंदोलन की सफलता ने वनों के प्रति नई दृष्टि को जन्म दिया। अब उत्तराखंड में विभिन्न इलाकों में वन आंदोलन चलने लगे हैं। रक्षा सूत्र कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष सघन वृक्षारोपण के साथ-साथ वनों को बचाने के लिए पेड़ों पर रक्षा सूत्र भी बांधते हैं ताकि लोगों की पेड़ों से आत्मीयता बनी रहे। कोविड-19 के दौरान कई क्षेत्रों में व्यावसायिक दोहन बड़ी मात्रा में हो रहा था। इसकी सूचना वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को दी गई थी जिसके बाद उत्तराखंड में हजारों पेड़ों को कटने से बचाया गया है।

वन निगम की 'वनों को काटो और बेचो' के कारण ही लोगों ने चिपको के बाद पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधे हैं, जो इतने तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि जल, जंगल, जमीन की एकीकृत समझ बनाने के प्रति लोगों को जागरूक करता आ रहा है। स्कूल-कॉलेजों के बच्चे वृक्षारोपण के दौरान पेड़ों पर राखी बांधते हैं। रक्षाबंधन के पर्व पर भाई-बहन के अलावा पेड़ों पर भी रक्षा सूत्र बांधते हैं ताकि वे समय-समय पर घास, लकड़ी, पानी की आपूर्ति करें और उसके बदले समाज उनकी रक्षा के लिए तैयार रहें। वनों की व्यावसायिक कटाई के खिलाफ रक्षा सूत्र आंदोलन लगातार जारी है।

(लेखक रक्षा सूत्र आंदोलन के प्रेरक हैं)

अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है-

कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैयार करना। इसमें सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

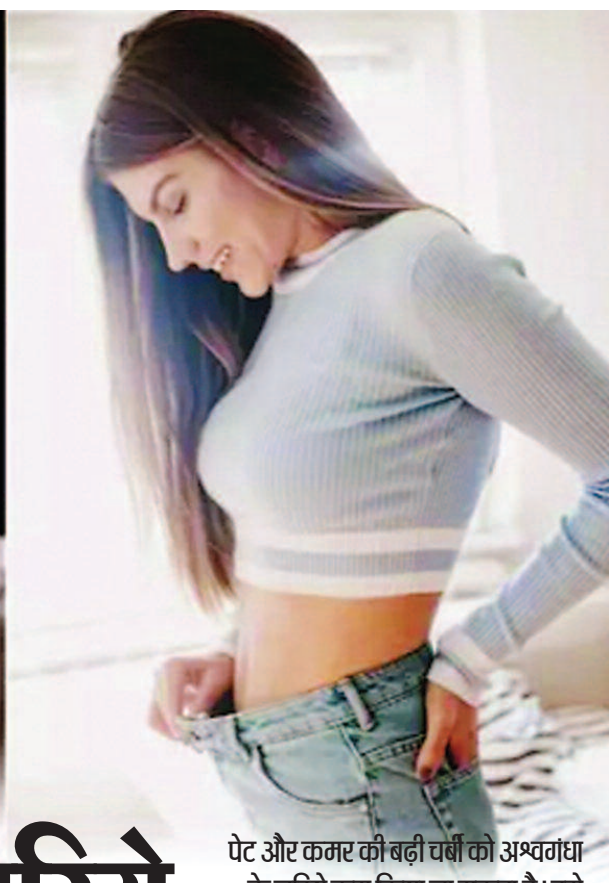

अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिजम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

लक्षद्वीप में स्थापित किया जा रहा है सागरीय तापीय ऊर्जा रूपांतरण संयंत्र

नई दिल्ली। महासागर आधारित ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भारत सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। एक नई पहल के अंतर्गत पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन कार्यरत चेन्नई स्थित राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) द्वारा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप की राजधानी कावारत्ती में समुद्री तापीय ऊर्जा रूपांतरण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है।यह संयंत्र समुद्र के पानी को पीने योग्य बनाने के लिए निम्न तापमान ऊष्मीय विलवणीकरण आधारित विलवणीकरण संयंत्र को संचालित करने के लिए ऊर्जा प्रदान करेगा। इस महासागर तापीय ऊर्जा रूपांतरण संयंत्र की क्षमता 65 किलोवाट है, जिसकी सहायता से प्रतिदिन एक लाख लीटर समुद्री जल को पीने योग्य बनाया सकेगा। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा यह जानकारी लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में प्रदान की गई है। इसी क्रम में पूछे गए एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा संचालित डीप ओशन मिशन के अंतर्गत आगामी वर्षों में गहरे समुद्र की जैव विविधता के अन्वेषण एवं संरक्षण हेतु प्रौद्योगिकी आधारित नवन्मेष तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़ी परामर्श सेवाओं का विकास, अंडरवॉटर रोबोटिक्स, गहरे समुद्र में खनन पर जोर दिया जा रहा है। इसमें 6000 मीटर की समुद्री गहराई हेतु रेटिंग किए गए प्रोटोटाइप मानव युक्त सबमर्सिबल को डिजाइन एवं विकसित करना, जिसमें अंडरवॉटर वाहन एवं अंडरवॉटर रोबोटिक्स के लिए प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।

एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के प्रस्तावित विलय को एनएचबी की मंजूरी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की आवासीय लोन प्रदाता कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड को एचडीएफसी बैंक में विलय प्रस्ताव को राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) से मंजूरी मिल गई है। दरअसल एचडीएफसी लिमिटेड को एनएचबी से प्राप्त रिफंडिंग की सुविधाओं के लिए यह जरूरी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एनएचबी ने हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी की पूर्ण स्वामित्व वाली दो सहायक कंपनियों एचडीएफसी इंवेस्टमेंट्स एवं एचडीएफसी होल्डिंग्स लिमिटेड के साथ विलय को मंजूरी दे दी है। हालांकि, यह विलय योजना अभी भी भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, एनसीएलटी और दोनों कंपनियों के संबंधित शेयर धारकों और लेनदारों समेत विभिन्न वैधानिक और नियामकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने नियामकीय फाइलिंग में कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि एनएचबी ने 8 अगस्त, 2022 को जारी अपने पत्र के जरिए एचडीएफसी की एचडीएफसी बैंक में प्रस्तावित योजना के लिए अनापत्ति पत्र दे दिया है। संपत्ति और आकार के लिहाज से देश की सबसे बड़ी आवास कर्जदाता कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड को एचडीएफसी बैंक के साथ प्रस्तावित विलय को इससे पहले बैंक नियामक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई), भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई और एनएसई) से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है।

एमआरएफ को पहली तिमाही में 124 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली। टायर बनाने वाली दिग्गज कंपनी (मद्रास रबर फैक्ट्री) एमआरएफ लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। कंपनी को 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में मुनाफा 25.35 फीसदी घटकर 123.6 करोड़ रुपये रहा। एमआरएफ ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि जून तिमाही में कंपनी का एकीकृत परिचालन लाभ (मुनाफा) 25.35 फीसदी घटकर 123.6 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले वित्त वर्ष 2021-22 की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 165.58 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान कंपनी की एकीकृत आय बढ़कर 5,695.93 करोड़ रुपये रही है, जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 4,183.96 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि पहली तिमाही के दौरान उसका खर्च 5,566.63 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले साल इसी तिमाही में 4,054.24 करोड़ रुपये रहा था।

अमेरिका से ज्यादा महिला पायलट भारत में : एयरलाइंस को कर्मचारियों की कमी से लड़ने में मदद मिल रही, यह दुनिया के लिए मिसाल

मुंबई। विमान उड़ाने वाली महिला पायलटों की संख्या के मामले में भारत दुनिया के सबसे अमीर माने जाने वाले देश अमेरिका से भी आगे निकल गया है। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ वूमन एयरलाइन पायलट के मुताबिक, विश्व स्तर पर महिला पायलटों का प्रतिशत भारत में सबसे ज्यादा है।

सभी महिला पायलटों में से 12.4फीसदी भारत में हैं। दुनिया में सबसे बड़े विमानन बाजार अमेरिका में महिला पायलटों की संख्या 5.5फीसदी और ब्रिटेन में 4.7फीसदी है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अधिक महिलाओं को काम पर रखने से एयरलाइंस को कर्मचारियों की कमी दूर करने में मदद मिल सकती है।

बोइंग कंपनी का अनुमान है कि अगले दो दशकों में दुनिया को 6 लाख से अधिक नए पायलटों की आवश्यकता होगी। बता दें कि महिला पायलटों का प्रदर्शन भी बेहतर है। कुछ स्टडी से यह भी पता चलता है कि महिला पायलटों की सुरक्षा की घटनाएं कम होती हैं। अधिक महिलाओं को काम पर रखने से एयरलाइंस को उन कर्मचारियों की कमी को दूर करने में मदद मिल सकती है, जो यात्रा को बाधित कर रहे हैं।

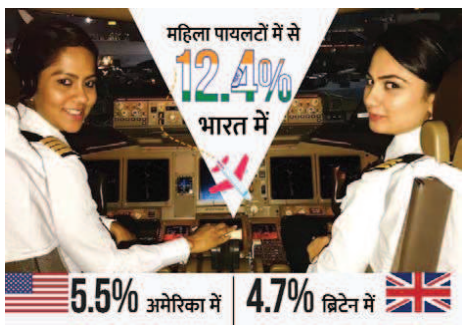

3 दशक पहले इक्का-दुक्का महिला पायलट थीं

आज भारत महिला पायलटों के मामले में भले ही दुनिया के लिए मिसाल हो, लेकिन तीन दशक ऐसी स्थिति नहीं थी। मसलन 1989 में भारत की निवेदिता भसीन दुनिया की सबसे कम उम्र की कमर्शियल एयरलाइन कप्तान बनीं थी। भसीन बताती हैं कि वह जब पायलट बनीं थीं, तब क्रू के लोग उन्हें जल्द से कॉकपिट में जाने का अनुरोध करते थे, ताकि यात्रियों को यह पता न चले कि उनका विमान महिला पायलट चला रही है और वे यह देखकर घबरा जाएं।

निवेदिता भसीन जैसे अग्रणी पायलट और लोगों का कहना है कि आउटरीच कार्यक्रमों से लेकर बेहतर कॉर्पोरेट नीतियों और मजबूत पारिवारिक समर्थन से भारतीय महिलाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कई भारतीय महिलाओं को 1948 में गठित राष्ट्रीय कैडेट कोर के एक हवाई विंग के माध्यम से उड़ान भरने के लिए तैयार किया गया था।

इसके माध्यम से छात्रों को माइक्रोलाइट विमान संचालित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। महिलाओं के लिए महंगे कमर्शियल पायलट प्रशिक्षण को और अधिक सुलभ बनाने के लिए कुछ राज्य सरकारें सब्सिडी दे रही हैं। होंडा मोटर जैसी कंपनियां एक भारतीय फ्लाइंग स्कूल में 18 महीने के पाठ्यक्रम के लिए पूरी छात्रवृत्ति देती हैं और उन्हें नौकरी दिलाने में मदद करती हैं। साथ ही विशेष प्रशिक्षण के कई कार्यक्रम चलते हैं।

मार्च 2024 तक सभी टाउन में एयरटेल का 5जी : सीईओ ने दिए पैक महंगे करने के संकेत

इस महीने लॉन्च होगी एयरटेल की 5जी सर्विस

नई दिल्ली। टेलीकॉम ऑपरेटर भारती एयरटेल इस महीने कुछ शहरों में 5जी सर्विसेज शुरू कर देगी। मार्च 2024 तक देश के सभी कस्बों और प्रमुख ग्रामीण क्षेत्रों को कवर करेगी। कंपनी के MD और CEO गोपाल विट्टल ने यह इसकी जानकारी दी।

गोपाल विट्टल ने यह भी कहा कि भारत में मोबाइल सर्विसेज की कीमत बहुत कम है और इसे बढ़ाने की जरूरत है। ये सीधा संकेत है कि 4फीसदी के पैक की कीमत बढ़ाई जा सकती है और 5फीसदी सर्विस के लिए भी यूजर को 4फीसदी से ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। विट्टल ने कहा, 'भारत में 5,000 शहरों 5फीसदी को रोलआउट करने प्लान पूरी तरह से तैयार हैं। यह हमारे

इतिहास में सबसे बड़े रोलआउट में से एक होगा।' हाल ही में आयोजित 5फीसदी नीलामी में, एयरटेल ने 19,867.8 MHz स्पेक्ट्रम हासिल किया है।

जियो 15 अगस्त को लॉन्च कर सकती है 5फीसदी

जियो ने 15 अगस्त से 5फीसदी नेटवर्क सर्विस लॉन्च करने के संकेत दिए हैं। कहा जा रहा है कि, 5फीसदी सर्विस फिलहाल चुनिंदा मेट्रो शहरों में हो सकती है। जियो को भारत के प्रमुख शहरों में अपनी 5फीसदी सेवाओं को पूरी तरह से शुरू करने में एक या दो महीने का समय लगेगा। टियर 2 और टियर 3 शहरों में फेस्ड रोलआउट अगले साल की शुरुआत में हो सकता है।

5 साल में 50 करोड़ से ज्यादा 5फीसदी यूजर्स होंगे

5फीसदी इंटरनेट सेवा के शुरू होने से भारत में काफी कुछ बदलने वाला है। इससे न सिर्फ लोगों का काम आसान होगा, बल्कि एंटरटेनमेंट और कम्युनिकेशन सेक्टर में भी काफी कुछ बदल जाएगा। 5फीसदी में 4फीसदी से 100 गुना ज्यादा तेज होने की क्षमता है। वहीं 5फीसदी के लिए काम कर रही कंपनी एरिक्सन का मानना है कि 5 साल में भारत में 50 करोड़ से ज्यादा 5फीसदी इंटरनेट यूजर की संख्या होने वाली है।

'सुनहरे दौर में प्रवेश कर रहा भारत', राकेश झुनझुनवाला ने देश की आर्थिक स्थिति पर की भविष्यवाणी

मुंबई। बिगबुल के नाम से संबोधित किए जाने वाले राकेश झुनझुनवाला ने एक मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में दावा किया है कि भारत जल्द ही अपने सुनहरे दौर में प्रवेश कर रहा है और आगे देश का

विकास 10 फीसदी के आसपास पहुंचेगा। राकेश ने कहा कि, जल्द ही देश की क्रेडिट डिमांड में बढ़ोतरी होगी।राकेश ने बताया कि साल 1947 में भारत की जीडीपी 2.7 लाख करोड़ थी और अब से बढ़कर साल 2022 में 197.5 लाख करोड़ हो गई है। वहीं भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3 अरब डॉलर था और अब यहीं बढ़कर 574 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। भारत की बढ़ती आर्थिक स्थिति को लेकर राकेश काफी ज्यादा संतुष्ट है और उन्होंने इस बात को भी माना कि दुनिया की कई दिक्कतों को बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति और बाजार में काफी मजबूती देखने को मिली।

पांच साल में सरकारी बीमा कंपनियों को हुआ 26,364 करोड़ का नुकसान, स्वास्थ्य कारोबार में आई गिरावट

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सभी चार बीमा कमानियों (पीएसयू) को पिछले पांच साल के दौरान स्वास्थ्य बीमा कारोबार में 26,364 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। नियंत्रक एवं महालेखक परीक्षक (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है। संसद में हाल में पेश कैग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजानिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के स्वास्थ्य बीमा खंड में नुकसान ने अन्य क्षेत्रों के लाभ को घटा दिया है या कुल नुकसान को और बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के दौरान इन चार बीमा कंपनियों.....न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईएसीएल), यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (यूआईआईसीएल), ओरिएंटल

इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईसीएल) का कुल नुकसान 26,364 करोड़ रुपये था।सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के लिए स्वास्थ्य बीमा दूसरा सबसे बड़ा कारोबार क्षेत्र है। पहले स्थान पर वाहन बीमा क्षेत्र है। इस क्षेत्र का पिछले पांच साल का सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 1,16,551 करोड़ रुपये रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य बीमा कारोबार में सरकारी बीमा कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी निजी कंपनियों की तुलना में लगातार घट रही है। कैग ने कहा कि ऑडिट में यह भी पाया गया कि सार्वजानिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों द्वारा मंत्रालय के दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया और इन कंपनियों का समूह स्वास्थ्य बीमा खंड में संयुक्त अनुपात 125 से 165 प्रतिशत था। दावों के प्रबंधन के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों की आईटी प्रणाली मेंसत्यापन जांच और नियंत्रण का अभाव है। इससे कामकाज के अलावा रिपोर्ट करने की प्रणाली भी प्रभावित होती हे।

'मेक इन इंडिया' की बड़ी सफलता, मरम्मत के लिए अमेरिकी नौसेना का पोत पहुंचा भारत

चेन्नई। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ने के बीचअमेरिकी नौसेना का एक पोत मरम्मत तथा अन्य सेवाओं के लिए यहां के कट्टुपल्ली स्थित लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की गोदी में पहुंचा।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि अमेरिकी नौसेना ने चार्ल्स डू पोत के रखरखाव का ठेका एलएंडटी शिपयार्ड को दिया है।यह वैश्विक पोत मरम्मत बाजार में देश के शिपयार्ड की क्षमता को रेखांकित करता है। यह पोत अमेरिकी नौसेना को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जंगी बेड़े के संचालन में अहम सहयोग देता है। नौसेना और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी इस अमेरिकी पोत के स्वागत के लिए शिपयार्ड पहुंचे। रक्षा सचिव अजय कुमार ने इसे उल्लेखनीय घटना बताया।

भारत का विदेश पर्यटन 2024 तक 42 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत का विदेश (आउटबाउंड) पर्यटन 2024 तक 42 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि सरकार इस बढ़ते बाजार को बढ़ावा देने के लिए कुछ नीतिगत बदलाव ला सकती है। फिक्की के सहयोग से नांगिया एंडरसन एलएलपी द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट में भारतीय यात्रा बाजार पर रोशनी डाली गई है। इस रिपोर्ट का शीर्षक - 'आउटबाउंड ट्रैवल एंड टूरिज्म - एन अपॉर्चुनिटी अनटैप्ड' है।रिपोर्ट में भारतीय पर्यटकों और यात्रियों के लिए यात्रा अनुभव को अधिक मूल्यवर्धिक बनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार को लोकप्रिय गंतव्यों के लिए सीधे संपर्क को बढ़ावा देने, विदेशी क्रूज जहाजों को भारतीय जल पर संचालित करने की अनुमति देने के अलावा

ठोस और समन्वित प्रयास करने चाहिए।

नांगिया एंडरसन एलएलपी की पार्टनर (सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र) पूनम कौर ने कहा कि विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और उनकी नीतियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ ही हमारी सरकार निश्चित रूप से इनबाउंड और आउटबाउंड दोनों पर्यटकों के लिए द्विपक्षीय संबंध स्थापित कर सकती है।

वोडाफोन आइडिया ने कहा, उद्योग को नियमित अंतराल पर टैरिफ बढ़ाने की जरूरत

नई दिल्ली। दूरसंचार परिचालक वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने कहा कि उद्योग को नियमित अंतराल पर मोबाइल टैरिफ बढ़ाने की जरूरत है। कंपनी का कहना है कि टैरिफ अभी भी काफी कम हैं और बढ़ोतरी से इसे उचित प्रतिफल पाने तथा भविष्य में निवेश करने में मदद मिलेगी। आदित्य बिड़ला समूह और वोडाफोन समूह के संयुक्त उद्यम ने कहा कि प्रति उपयोगकर्ता राजस्व ऐतिहासिक रुझानों की तुलना में कम है। पिछले साल सरकार द्वारा इस क्षेत्र को राहत पैकेज देने के बाद कंपनी को नयी जिंदगी मिली थी।सभी तीन निजी दूरसंचार परिचालकों - रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन-

आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने पिछले साल में डेटा के लिए शुल्क बढ़ाया है। इन कंपनियों के प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) में भी बढ़ोतरी हुई है। वीआईएल ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ''उद्योग अभी भी अनिश्चित रूप से कम टैरिफ पर चल रहा है।''कंपनी ने आगे कहा, ''भारत में आज भी वैश्विक स्तर पर सबसे कम टैरिफ है, जबकि असीमित डेटा पैक के चलते भारत दुनिया में सबसे अधिक डेटा उपयोग (प्रति ग्राहक) करने वाले देशों में शामिल है।'' वीआईएल ने कहा, ''इस प्रकार कंपनी का मानना ????है कि उद्योग को नियमित अंतराल पर टैरिफ बढ़ाना होगा, जो परिचालकों के लिए अपनी पूंजी पर उचित प्रतिफल पाने और नयी प्रौद्योगिकियों सहित भविष्य के निवेश का समर्थन करने के लिए जरूरी है।'' वीआईएल के 31 मार्च 2022 तक 24.38 करोड़ ग्राहक थे, जिनमें से 11.81 करोड़ 4जी उपयोगकर्ता थे।

जेएसडब्ल्यू स्टील के कच्चे इस्पात का उत्पादन जुलाई में 14 फीसदी उछला

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की भारतीय स्टील निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड के कच्चे इस्पात के उत्पादन में जुलाई में 14 फीसदी उछलकर 15.69 लाख टन पर पहुंच गया है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि कच्चे इस्पात का उत्पादन जुलाई महीने में सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 15.69 लाख टन रहा है। कंपनी ने पिछले साल जुलाई 2021 में 13.82 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था। इसके अलावा जुलाई 2022 में कंपनी के 'फ्लैट रोल' उत्पादों का उत्पादन 15 फीसदी बढ़कर 10.72 लाख टन पहुंच गया है, जो पिछले साल के इसी महीने में 9.34 लाख टन रहा था। देश की दूसरी सबसे बड़ी स्टील निर्माता कंपनी, जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड जेएसडब्ल्यू समूह की सहायक कंपनी है। ये कंपनी महाराष्ट्र के मुंबई में स्थित एक भारतीय बहुराष्ट्रीय स्टील बनाने वाली कंपनी है। भारत के अलावा यह 140 से ज्यादा देशों में सबसे तेजी से बढ़ती कंपनियों में से एक है। जेएसडब्ल्यू समूह इस्पात, सीमेंट और ऊर्जा समेत की कई क्षेत्रों में कारोबार करती है। कंपनी की मौजूदा स्थापित क्षमता 18 एमटीपीए है।

इस्पात विनिर्माताओं को निर्यात शुल्क कुछ समय बाद वापस लिए जाने की उम्मीद

नई दिल्ली। इस्पात के शीर्ष उत्पादकों का मानना है कि कुछ इस्पातउत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाने का निर्णय मुद्रास्फीति पर काबू पाने की खातिर 'अल्पावधि' के लिए उठाया गया कदम है और इसकी वजह से इस्पात विनिर्माताओं को अपनी पूंजीगत व्यय योजनाओं पर पुनर्विचार के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। सरकार ने 21 मई को लौह अयस्क के निर्यात पर लगने वाले शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक और कुछ स्टील मध्यवर्ती वस्तुओं पर 15 प्रतिशत तक कर दिया था।सरकार ने इस्पात उद्योग में उपयोग होने वाले कोकिंग कोल और फेरोनिकल समेत कुछ कच्चे माल के आयात पर लगने वाले शुल्क से राहत भी दी ताकि घरेलू इस्पात उद्योग की लागत कम हो और कीमतों में कमी आए। ये कदम घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने, मुद्रास्फीति को कम करने, कोयले के दाम में स्थिरता लाने और ऊंची लागत का सामना कर रहे इस्पात उत्पादकों की परेशानियों को कम करने के लिए उठाए गए। हालांकि इस्पात उद्योग की कंपनियों ने कहा कि इस्पात उत्पादों पर निर्यात शुल्क से निवेशकों के बीच नकारात्मक संकेत जाएगा और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत क्षमता विस्तार परियोजना प्रभावित होगी। घरेलू इस्पात कंपनियों के प्रतिनिधि संगठन इंडियन स्टील एसोसिएशन (आईएसए) ने कहा कि भारत के हाथ से निर्यात अवसर फिसल सकते हैं और इस निर्णय से देश में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। इस्पात उद्योग पर निर्यात शुल्क के असर के बारे में टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने कहा, ''मुद्रास्फीति को काबू में करने की जरूरत और निर्यात शुल्क जैसे कम अवधि के उपायों की जरूरत को समझते हैं। हालांकि इस्पात के दाम कम होने के बाद भी शुल्क को अगर जारी रख जाता है तो यह उद्योग की लाभप्रदता के लिए नुकसानदायक होगा।'' आर्सेलरमित्तल निप्पन स्टील इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी रंजन धर ने कहा कि उद्योग को उम्मीद है कि सरकार ने निर्यात शुल्क कुछ समय के लिए ही लगाया है। जेएसडब्ल्यू स्टील के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल ने उम्मीद जताई कि मुद्रास्फीति में नरमी आने पर सरकार शुल्क को वापस ले लेगी।

टाटा स्टील के नरेंद्र से पूछा गया कि क्या कंपनी पूंजीगत व्यय और विस्तार योजना पर फिर से विचार करेगी, तो उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उद्योग इस निर्यात शुल्क की वजह से अपनी पूंजीगत व्यय योजनाओं को नहीं टाले। उन्होंने कहा, ''इस साल और अगले साल के लिए अपनी पूंजीगत व्यय योजनाओं पर हम कायम हैं। इसके साथ ही हम आशा करते हैं कि निर्यात शुल्क जल्द ही वापस लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड के 'ब्रांड एम्बेसडर' ऋषभ पंत को किया सम्मानित

देहादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को राज्य के 'ब्रांड एम्बेसडर' क्रिकेटर ऋषभ पंत को सम्मानित किया। नयी दिल्ली के उत्तराखंड सदन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पंत को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से बेहद सामान्य परिस्थितियों में अपने संकल्प एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से लक्ष्य को पूरा किया है, उससे सभी को प्रेरणा मिलेगी। यहां जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने कहा कि पंत ने दुनिया में एक मुकाम बनाया है और देश व प्रदेश का नाम रोशन किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिकेटर को उत्तराखंड ब्रांड एम्बेसडर के रूप में सम्मानित करने से राज्य में खेल के क्षेत्र में युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खेलों के लिए बेहतर माहौल तैयार किया जा रहा है ताकि वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं। इस संबंध में उन्होंने कहा कि पंत जैसे खिलाड़ी से सभी प्रेरित होंगे और प्रदेश में खेलों के प्रति अच्छा माहौल बनेगा। इस मौके पर पंत ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें प्रदेश के लिये कुछ करने का मौका दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को बेहतर खेल माहौल प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर पंत ने धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें प्रदेश के लिये कुछ करने का मौका दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को खेल का बेहतर माहौल प्रदान कर रही है। पंत (24) का जन्म उत्तराखंड के रूड़की में हुआ था। उन्हें राज्य सरकार ने पिछले साल दिसंबर में राज्य का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया था।

संन्यास का संकेत देने के बाद पहला मैच हारी सेरेना विलियम्स

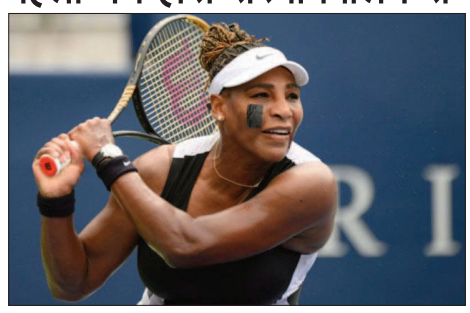

टोरंटो (एजेंसी)।

सेरेना विलियम्स पेशेवर टेनिस से संन्यास का संकेत देने के बाद जब पहली बार कोर्ट पर उतरी तो उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दर्शकों ने 40 वर्षीय सेरेना का खड़े होकर अभिवादन किया लेकिन इस स्टार खिलाड़ी ने न मुस्कान बिखेरी ना हाथ हवा में लहराया। दर्शक इस बीच अपने मोबाइल फोन से उनकी तस्वीरें लेते रहे।

अमरीका की इस 40 वर्षीय खिलाड़ी को नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में बेलिंडा बेनसिच ने 6-2, 6-4 से हराया। बेनसिच का सामना दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन गार्बिने मुगुरुजा से होगा जिन्होंने काया कानेपी को 6-4, 6-4 से हराया।

अर्जुन तेंदुलकर ने मुंबई से मांगी एनओसी, अगले सत्र में गोवा के लिए खेल सकते हैं

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

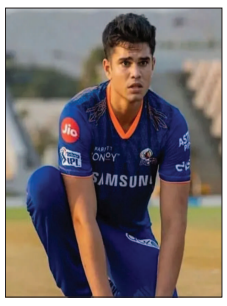

दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के पुत्र अर्जुन मुंबई की टीम को छोड़ने के लिए तैयार हैं और पूरी संभावना है कि वह अगले घरेलू सत्र में गोवा की तरफ से खेल सकते हैं।

बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस का हिस्सा था। उन्होंने 2020-21 में मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा और पुदुचेरी के खिलाफ दो मैच खेले थे। पता चला है कि जूनियर तेंदुलकर ने मुंबई क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के लिए आवेदन किया है। एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट ने बयान में कहा, ''अर्जुन के लिए अपने करियर के इस मुकाम पर मैदान पर अधिक से अधिक समय बिताना महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है की दूसरी जगह से खेलने पर अर्जुन को अधिक प्रतिस्पर्धी मैच खेलने का मौका मिलेगा। वह अपने क्रिकेट करियर के एक नए चरण की शुरुआत कर रहा है।''अर्जुन तेंदुलकर ने तीन सत्र पहले श्रीलंका के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से दो मैच खेले थे। उस समय वह मुंबई की सीमित ओवरों की संभावित टीम में भी शामिल थे। अर्जुन के लिए सबसे बड़ी निराशा यह रही उन्हें खुद को साबित करने का मौका मिले बिना इस सत्र में मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया। गोवा क्रिकेट संघ (जीसीए) के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि राज्य के संभावित खिलाड़ियों में अर्जुन तेंदुलकर को शामिल किया जा सकता है। जीसीए अध्यक्ष सूरज लोतलीकर ने पीटीआई से कहा, ''हम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की तलाश में हैं। इसलिए हमने अर्जुन तेंदुलकर को गोवा की टीम से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया है। हम सत्र से पहले सीमित ओवरों के अभ्यास मैच खेलेंगे और वह इन मैचों में खेलेगा। चयनकर्ता इन मैचों में उनके प्रदर्शन के आधार पर उन्हें टीम में रखने का फैसला करेंगे।''

पहले ही टी20 में वेस्टइंडीज हारा

सबीना पार्क (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले ही मैच में 14 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार कीवी टीम ने तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन ने टॉस जीतकर न्यूजीलैंड टीम को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया था। कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 185 रन बनाये। कप्तान केन विलियमसन ने 33 गेंद में चार चौके एवं दो छक्के की मदद से 47 रन बनाये। इसके अलावा डेवोन कॉनवे ने 29 गेंद में 43 और जेम्स नीशम ने 15 गेंद में नाबाद 33 रन बनाये।

इसके बाद 186 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 172 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शमर ब्रूक्स ने 42 रन बनाये। इसके बाद भी वह टीम को जीत दिलाने में विफल रहे। कीवी टीम की ओर से मिशेल सेंटनर ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। इस मैच में वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर ने सीमारेखा के पास एक शानदार कैच पकड़कर सकका ध्यान खींचा है। वेस्टइंडीज की ओर से आठवां ओवर ओडियन स्मिथ ने किया। इस ओवर की तीसरी गेंद पर ही कीवी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल ने बड़ा शॉट लगाया पर सीमारेखा के पास क्षेत्ररक्षण कर रहे हेटमायर ने एक बेहतरीन कैच पकड़कर सबका ध्यान खींचा।

एशिया कप के लिए घोषित पाक टीम संतुलित नहीं: तौसीफ

लाहौर । भारत के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी एशिया कप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में तेज गेंदबाज हसन अली शामिल नहीं किया गया है। हसन के अलावा अनुभवी शोएब मलिक भी बाहर कर दिये गये हैं। टीम चयन के बाद से ही इसकी आलोचना भी शुरु हो गयी है। खेल प्रशंसकों ने हसन अली को टीम में शामिल नहीं करने पर हैरानी जतायी है। वहीं पूर्व गेंदबाज तौसीफ अहमद का कहना है कि पीसीबी की यह टीम संतुलित नहीं है। उन्होंने कहा कि कई खिलाड़ी जो कुछ साल पहले वहां थे। किसी न किसी प्रकार से वापसी कर रहे हैं। जब भी कोई बड़ा टूर्नामेंट सामने आता है उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिनके बारे में पहले कहा जाता था कि तो इन्हें क्रिकेट छोड़ देना चाहिए। इससे साफ है कि आपके पास बैकअप प्लान नहीं है। तौसीफ के अनुसार टीम का पूरा ध्यान केवल भारत के खिलाफ मुकाबलों पर रहता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारी टीम अच्छी हो। हम सोच रहे थे कि वे शोएब को चुनेंगे, क्योंकि आप इस समय केवल इन लोगों को ही याद करते हैं लेकिन हम वास्तव में एशिया कप की परवाह नहीं करते हैं, हम केवल भारत के खिलाफ उन 2 से 3 मैचों की परवाह करते हैं। हमारा रुख केवल केवल भारत के खिलाफ जीत तक सिमट गया है। यह खेलने का सही तरीका नहीं है। आपको योजना के अनुसार खेलना होगा।

एशिया कप के लिए शामिल नहीं किये जाने से निराश नहीं ईशान

नई दिल्ली(एजेंसी)।

विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा है कि एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने से वह निराश नहीं हैं। ईशान का कहना है कि वह आने वाले समय में अच्छी वापसी करेंगे। ईशान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर यह बात कही। 27 अगस्त से शुरु हो रहे इस टूर्नामेंट के लिए ईशान के अलावा एक अन्य विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी शामिल नहीं किया गया है। ईशान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक प्रेरणादायक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि टीम में जगह नहीं मिलने के कारण उनपर किसी प्रकार का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। इस युवा बल्लेबाज ने अपनी इंस्टा स्टोरी में लिखा - 'कि अब ऐसा बनना नहीं, भले घायल हो जाना। तुझे फूल समझे कोई तो, तू फायर हो जाना। बेल्ला पीछे रहना, मगर सब संभाल।' वह द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में नियमित रूप से नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ एक-एक मैच खेला है. इसके अलावा वह मिले हुए अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने में विफल रहे। इसलिए चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उनको लेकर आश्वस्त नहीं थे। इसी कारण वह टीम में अपनी जगह नहीं बना पाये।

रोहित एक साल में सबसे ज्यादा जीत के मामले में नंबर एक पर पहुंचे

नई दिल्ली । सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालते ही टीम में एक नया जोश भर दिया है। इस से टीम लगातार जीत हासिल करती जा रही है। रोहित ने साल 2017 से अबतक 35 मुकाबलों में भारतीय टीम की कप्तानी की है। इसमें टीम को 29 मुकाबलों में जीत मिली है जबकि केवल छह मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। एक साल के रिकार्ड की बात करें तो पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने एक साल में 15 मुकाबले जीते हैं जबकि विराट कोहली की कप्तानी में उसने 14 जीत दर्ज की है। रोहित की कप्तानी में उसे 16 मुकाबलों में जीत मिली है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जीत प्रतिशत 82.85 है। भारतीय टीम की टी20 क्रिकेट में धोनी ने सर्वाधिक मुकाबलों में अगुवाई की है। इस दौरान टीम को सर्वाधिक मुकाबलों में जीत मिली। इसके बाद विराट का नाम आता है। कोहली की अगुवाई में भारतीय टीम ने 2017 से 2021 के बीच 50 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उसे 30 मुकाबलों में जीत मिली।

पदक के साथ घर लौटना खास अनुभवः संगीता कुमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बर्मिंघम 2022 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी संगीता कुमारी ने अपने पहले राष्ट्रमंडल अनुभव के बारे में कहा कि एक पदक के साथ घर लौटना 'बेहद खास अनुभव था। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 के कांस्य पदक मैच में पिछली बार की स्वर्ण पदक विजेता न्यूजीलैंड को हराकर राष्ट्रमंडल पदक के 16 साल के सूखे को समाप्त किया था।

20 वर्षीय संगीता ने कहा- एक पदक के साथ घर लौटना बेहद ही खास एहसास है। घर में त्योहार जैसा माहौल है। हमारे गांव में सभी लोग बेहद खुश और उत्साहित हैं। वह कहते हैं कि यह झारखंड के लिये गौरव का क्षण है। मेरा खयाल है कि पोडियम पर खड़े होने के अनुभव को भूलने में कुछ समय लगेगा। उन्होंने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने के बारे में कहा कि मैं पहले-पहल काफी दबाव में थी, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों ने कहा कि इस तरह महसूस करना आम बात है, खासकर एक बड़े खेल आयोजन में। मैं उनके समर्थन की आभारी हूं। संगीता ने सेमीफाइनल की हार के बारे में कहा- हमने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्यवश नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा। आसान शब्दों में कहूं तो वह हमारा दिन नहीं था। झारखंड की युवा खिलाड़ी ने अपने भविष्य के बारे में कहा कि मैं इस युवा उम्र में यह अवसर पाकर बेहद खुश हूं। मैं जानती हूं कि मुझे अपने खेल पर काम करने की जरूरत है। मुख्य कोच और अपने टीम के साथियों की मदद से मैं अपने कौशल को सुधारते हुए टीम की नियमित सदस्य बनने पर काम कर रही हूं।

राष्ट्रमण्डल खेलों से पाकिस्तान के दो मुक्केबाज गायब

कराची । राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए बर्मिंधम गये पाकिस्तान के दो मुक्केबाज लापता हो गये हैं। खेल समाप्त होने के बाद से ही इनकी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। पाक मुक्केबाजी महासंघ (पीबीएफ) के सचिव नासिर तांग ने माना है कि मुक्केबाज सुलेमान बलूच और नजीरुल्लाह टीम के इस्लामाबाद रवाना होने से कुछ घंटे पहले ही रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। राष्ट्रमंडल खेल अभी तीन दिन पहले ही समाप्त हुए थे। तांग ने कहा, ''उनके पासपोर्ट सहित यात्रा दस्तावेज अभी भी महासंघ के ही अधिकारियों के पास हैं।'' उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन ने ब्रिटेन में पाक उच्चायोग और लंदन में संबंधित अधिकारियों को सुलेमान और नजीरुल्लाह के लापता होने के बारे में जानकारी दे दी है। तांग ने कहा कि लापता मुक्केबाजों के दस्तावेज पाक से आने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार ही रखे गए थे। वहीं पाक ओलंपिक संघ (पीओए) ने लापता मुक्केबाजों के मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इससे पहले फिना विश्व चैंपियनशिप में भी पाक टीम राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में कोई भी पदक नहीं जीत पायी है हालांकि उसे भारोत्तोलन और भाला फेंक में दो स्वर्ण सहित कुल आठ पदक मिले हैं। मुक्केबाजों के लापता होने की यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले हंगरी में विश्व फिना चैम्पियनशिप से राष्ट्रीय तैराक फैजान अकबर गायब हो गये थे।

धोनी ने फीलिडंग और फिटनेस पर दिया सबसे ज्यादा ध्यानः श्रीधर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने फील्डिंग और फिटनेस पर भी उतना ही ध्यान दिया था जितना बल्लेबाजी और गेंदबाजी पर दिया। धोनी की इसी नीति के कारण कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को भी टीम से बाहर होना पड़ा था क्योंकि वे फील्डिंग और फिटनेस में पिछड़ गये थे। धोनी ने पिछले एक दशक में सभी प्रारूपों में भारतीय टीम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। . धोनी के आने से पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले जैसे महान खिलाड़ी भारतीय टीम में थे पर इसके बाद भी टीम को आईसीसी टूर्नामेंट में संघर्ष करना पड़ रहा था। धोनी ने टीम की कमान संभालते ही भारतीय टीम के रुख को बदल दिया। श्रीधर साल 2014 में धोनी की कप्तानी के दौरान भारत के फील्डिंग कोच बने थे। उन्होंने कहा कि धोनी ने तब साफ कर दिया था कि फील्डिंग और विकेटों के बीच दौड़ना दो ऐसे क्षेत्र थे, जिनके लिए वह कोई समझौता नहीं करेंगे। इस कारण कुछ अनुभवी खिलाड़ी टीम में जगह बरकरार नहीं रख पाये। धोनी के बाद इसी कड़ी को विराट कोहली ने कप्तान बनते ही आगे बढ़ाया। इसी का परिणाम है कि पिछले कुछ वर्षों में शानदार फील्डिंग प्रयासों से भारतीय टीम को रन बचाने का काफी फायदा मिला है। कोहली और रवींद्र जडेजा ने राष्ट्रीय टीम में स्वयं को सर्वश्रेष्ठ भारतीय फील्डर के रूप में स्थापित किया है।

सितंबर में वियतनाम और सिंगापुर से खेलेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नयी दिल्ली, भारतीय पुरूष फुटबॉल टीम सितंबर में सिंगापुर और वियतनाम के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच खेलेगी । भारतीय टीम 24 सितंबर को सिंगापुर से और 27 सितंबर को मेजबान वियतनाम से खेलेगी ।

वियतनाम फीफा विंडो (19 से 27 सितंबर) में इन मैचों का आयोजन कर रहा है जो 2022 एएफएफ मित्सुबिशि इलेक्ट्रिक कप की तैयारी के लिये अहम हैं । भारतीय टीम 22 सितंबर को वियतनाम जायेगी और 28 सितंबर को लौटेगी । वियतनाम फुटबॉल महासंघ के अनुसार तीनों टीमें 21 से 27 सितंबर तक टूर्नामेंट खेलेंगी और अधिकतम अंक पाने वाली टीम को विजेता घोषित किया जायेगा । भारत इस समय फीफा रैंकिंग में 104वें स्थान पर है जबकि वियतनाम 97वें और सिंगापुर 159वें स्थान पर है ।

जो रूट की जगह शीर्ष टेस्ट क्रिकेटर बन सकते हैं बाबर आजमः महेला जयवर्धने

दुबई। (एजेंसी)।

श्रीलंका के महान क्रिकेटर महेला जयवर्धने का मानना है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम इंग्लैंड के जो रूट को हटाकर शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं। रूट जून से टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 2021 में आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार भी जीता। आईसीसी रिव्यू के ताजा अंक में जब उनसे पूछा गया कि रूट को शीर्ष स्थान से कौन हटा सकता है तो उन्होंने कहा,'' कठिन सवाल।''

उन्होंने आगे कहा ,'' मुझे लगता है कि बाबर आजम के पास मौका है। वह तीनों प्रारूपों में लगातार अच्छा खेल रहा है और उसकी रैंकिंग में यह नजर आता है। वह कुदरती प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और हर हालात में खेल सकता है।'' उन्होंने कहा ,'' यह इस पर निर्भर करता है कि कौन कब कितना क्रिकेट खेल रहा है लेकिन बाबर ऐसा कर सकता है।'' बाबर तीनों प्रारूपों में रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल अकेले खिलाड़ी हैं।

जयवर्धने ने कहा,''टी20 और वनडे क्रिकेट में रैंकिंग बरकरार रखना आसान नहीं है क्योंकि कई अच्छे खिलाड़ी लगातार अच्छा खेल रहे हैं।'' यह पूछने पर कि बाबर इतना खास क्यो हैं, उन्होंने कहा कि क्रीज पर वह जितना समय बिताते हैं, उससे वह काफी प्रभावित हैं। उन्होंने कहा,''उसकी तकनीक , क्रीज पर वह जितना समय बिताता है और उसका रवैया। वह कभी घबराता नहीं , चाहे कोई भी प्रारूप खेल रहा हो।

73वें वन महोत्सव : मुख्यमंत्री राज्य के 22वें सांस्कृतिक वन 'वटेश्वर वन' का आज करेंगे लोकार्पण

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में शुक्रवार को सुरेन्द्रनगर के दूधरेज में 73वें वन महोत्सव का राज्यस्तरीय समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री राज्य के 22वें सांस्कृतिक वन 'वटेश्वर वन' का लोकार्पण करेंगे। 73वें वन महोत्सव के अंतर्गत राज्य में कुल 10.35 करोड़ पौधों का वितरण किया जाएगा। 2 जुलाई, 2022 को भूमिपूजन के बाद केवल 40 दिनों के अल्प समय में तैयार 'वटेश्वर वन' राज्य का 22वां और सुरेन्द्रनगर का दूसरा सांस्कृतिक वन है। भगवान वडवाळा के नाम पर इसका नामकरण किया गया है। 10 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह वन दूधरेज केनाल साइट पर 5 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और यहां 73 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। आयुर्वेद और योग की थीम पर आधारित इस वन के निर्माण का उद्देश्य यह है कि लोग अन्य बाग-बगीचों की तरह यहां केवल सैर-सपाटा नहीं बल्कि वनस्पतियों और उसके चिकित्सकीय गुणों के बारे में भी जानें तथा स्थानीय संस्कृति और प्रकृति का परिचय भी प्राप्त करें। यह सांस्कृतिक वन 33 एमेनिटीज यानी सुविधाओं से सुसज्जित है। रजवाड़ी स्थापत्य कला, लकड़ी और प्राकृतिक पत्थरों के उपयोग के साथ निर्मित वटेश्वर वन से सुरेन्द्रनगर-झालावाड़ क्षेत्र का इतिहास, साहित्य और संस्कृति के विभिन्न पहलू प्रतिबिंबित होते हैं। इसके प्रत्येक हिस्से के निर्माण के पीछे कोई संदेश या विचार निहित है। झालावाड़ के लोक नृत्य और लोक संगीत को ध्यान में रखते हुए इस मुख्य द्वार के समीप तरणेतर मेला और द्रौपदी के स्वयंवर सहित अन्य ऐतिहासिक प्रसंगों के शिल्प और चित्र आगंतुकों के स्वागत में लगाए गए हैं। वटेश्वर वन आयुष कलर गार्डन, योगा गार्डन, जेन गार्डन, स्कल्पचर गार्डन और सेंस एंड टच गार्डन, फरूट एंड फन पार्क जैसे थीम आधारित बगीचों-विभागों का समूह है। इनमें से प्रत्येक विभाग अपनी तरह से विशिष्ट हैं। आयुष कलर गार्डन में अन्य सामान्य गार्डन की तरह केवल रंग-बिरंगे और सुगंधित पौधे नहीं बल्कि आयुर्वेद में उपयोगी यानी मेडिसिनल वैल्यू वाले पौधे रोपे गए हैं। पांच ज्ञानेंद्रियों में से एक स्पर्श इंद्रिय के माध्यम से प्रत्येक तत्व को छूने पर शरीर में अलग संवेदना जगाती है। इस टच थैरेपी को ध्यान में रखकर योगा गार्डन बनाया गया है। इस आम तौर पर घास की लॉन पर बनने वाले बगीचे से अलग इसकी सतह को पांच विभिन्न प्रकार के मटीरियलों तैयार किया गया है। सर्वप्रथम छोटे-छोट गोल पत्थर हैं, जिस पर चलने से एक्यूपंचर थैरेपी का अनुभव होता है। इसके बाद आते हैं ईंट, लकड़ी और प्राकृतिक पत्थरों से बने हिस्से। आगंतुक इन सभी हिस्सों पर खुले पैर चलकर इसका अनुभव कर सकते हैं। इस गार्डन में सूर्य नमस्कार और योग की विभिन्न मुद्राओं के शिल्प रखे गए हैं, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। इसी तरह, सेंस एंड टच गार्डन में दृष्टि, श्रवण, स्पर्श, गंध और स्वाद जैसी मानव शरीर की पांच इंद्रियों की थीम पर पौधरोपण किया गया है। यहां भी एक्यूपंचर पद्धति पर आधारित एक वॉक-वे रिंग बनाई गई है। जो लॉन, कपची, पत्थर और लगड़ी सहित अन्य पदार्थों से बनी है। इस पर चलने से आराम का अनुभव होता है। यह पूरा वॉक-वे थीम पर आधारित है। फॉक्स टेल वॉक-वे यानी लोमड़ी की पूंछ जैसे आकार वाले पौधों से बना वॉक-वे। वहीं, इंडियन क्रिसमस ट्री वॉक-वे पर चलने से क्रिसमस ट्री की कतारों के बीच चलने का अनुभव होता है। यह फोटो खिंचवाने के लिए एक बेहतरीन लोकेशन भी है। आगंतुकों का मन चंपा वॉक-वे से गुजरते वक्त चंपा की खुशबू से तरोताजा हो जाएगा। आरोग्य वन को वटेश्वर वन का मुख्य केंद्र कहा जा सकता है। यहां आंख, कान, किडनी, हृदय, लीवर, त्वचा और हड्डियों सहित शरीर के 10 अंगों के लिए फायदेमंद और उनसे संबंधित रोगों के उपचार में उपयोग किए जाने वाले आयुर्वेदिक वनस्पतियों-जड़ी बुटियों के पौधे लगाए गए हैं। यहां प्रत्येक अंग का शिल्प और उसके लिए उपयोगी वनस्पतियों का परिचय प्रदर्शित किया गया है। घरेलू उपचारों की जानकारी देने वाला होम आयुर्वेदा इंफॉर्मेशन डेस्क भी यहां लगाया गया है। योग एवं प्राचीन चिकित्सा प्रणाली-आयुर्वेद के जनक कहे जाने वाले पतंजलि, चरक, धन्वंतरि, सुश्रुत और अश्विनीकुमार जैसे पांच महान ऋषियों के नाम पर पांच ऋषि वन बनाए गए हैं। वन में मौलसरी, बरगद, नीम, कंटकारी, हरडे, अडूसा, मदनफल, सहजन, अश्वगंधा, ब्राह्मी, वडेलिया, हड़जोड़, तुलसी, सदाबहार (बारहमासी), गुलाब और पारिजात सहित आयुर्वेद में उपयोगी अनेक वनस्पतियों के पौधे लगाए गए हैं। स्कल्पचर गार्डन में सुरेन्द्रनगर से जुड़े महान व्यक्तित्वों सरदार सिंह राणा, जवेरचंद मेघाणी और पांचल प्रदेश में मत्स्य भेदन करने वाले अर्जुन के शिल्प बनाए गए हैं और उनके विषय में जानकारी भी प्रदर्शित की गई है, जो आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति और इतिहास से अवगत कराएगी। वटेश्वर वन में जंगल का अनुभव कराने के लिए एक छोटा जंगल भी बनाया जाएगा। बच्चों को ध्यान में रखकर वन में खेलकूद के लिए एक विभाग रखा गया है। बच्चों को फिसलपट्टी और झूलों से कुछ विशेष प्रदान करने के आशय से फरूट एंड फन पार्क बनाया गया है।

पश्चिम रेलवे द्वारा साबरमती स्टेशन पर "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" प्रदर्शनी का आयोजन

अहमदाबाद ।

देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत 14 अगस्त को पूरे देश में च्वविभाजन विभीषिका स्मृति दिवसज्ज के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद मंडल के साबरमती स्टेशन पर 10 से 14 अगस्त, 2022 तक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 15 अगस्त, 2021 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अगस्त को च्वविभाजन विभीषिका स्मृति दिवसज्ज के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह दिन देश के लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में मनाया जा रहा है, जिन्होंने अविवेकपूर्ण नफरत और हिंसा के कारण अपनी जान गंवाई। इस दिन के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा एक प्रदर्शनी आयोजित की गई है। यह फोटो प्रदर्शनी उन लाखों लोगों की पीड़ा एवं कसक को उजागर करने के लिए ऐतिहासिक तथ्यों को प्रदर्शित करती है, जिन्होंने विभाजन का दुख भोगा। यह प्रदर्शनी देश को पिछली शताब्दी में हुई मानव आबादी के सबसे बड़े विस्थापन की याद दिलाती है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को अपने जीवन को गवांना पड़ा। पश्चिम रेलवे द्वारा इस प्रदर्शनी को साबरमती स्टेशन पर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है, जो हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम से प्रसिद्ध दांडी यात्रा की शुरुआत की थी।

आज का दिन गुजरात के लिए भारी, कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना

अहमदाबाद।

गुजरात के लिए शुक्रवार का दिन भारी रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार को राज्य के कई जिलों में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। अरब सागर में एक साथ दो लो प्रेशर सिस्टम सक्रिय है। बंगाल की खाडी में बना वेलमार्क लो प्रेशर सिस्टम मध्य प्रदेश के पूर्व हिस्से में पहुंच गया है। दूसरी ओर सौराष्ट्र के उत्तर-पूर्व अरब सागर पर एक नई लो प्रेशरसिस्टम सक्रिय हुई है। संभावना है कि आगामी 48 घंटों यह लो प्रेशर पश्चिम की ओर आगे बढ़ेगी। इन सिस्टम की असर से गुजरात में भारी से अतिभरी बारिश हो सकती है। मौसम विभग के मुताबिक शुक्रवार को कच्छ, दाहोद, पंचमहल, और महीसागर में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा में भारी से अतिभारी बारिश होगी। जबकि मेहसाणा, पाटण और अरवल्ली जिले में भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा जूनागढ़, गिर सोमनाथ, डांग, नवसारी, वलसाड, दमण, दादरानगर हवेली, राजकोट, पोरबंदर, अमरेली, दीव, गांधीनगर, अरवल्ली, खेडा, अहमदाबाद, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, छोटाउदेपुर, नर्मदा, भरुच, जामनगर, भावनगर मोरबी, देवभूमि द्वारका और कच्छ में भारी बारिश होने की संभावना है।

सूरत भूमि, सूरत। सूरत के लिंबायत विधानसभा में एमएलए संगीता पाटिल द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी गुजरात प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील भी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है।

मोटोरोला ने भारत में 5जी स्मार्टफोन के बाजार में अपने नए फोन मोटो जी62 5जी को मात्र 16,249 रूपए की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया

नई दिल्ली, 12 अगस्त 2022- आज, मोटोरोला ने अपनी जी सीरीज में अपने सबसे लेटेस्ट 5जी स्मार्टफोन मोटो जी62 5जी को लॉन्च करने की घोषणा की। यह डिवाइस ब्लेजिंग फास्ट क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन0 695 5जी प्रोसेसर के साथ आता है जो कि उपभोक्ताओं के फोन की परफॉरमेंस को बूस्ट करने के साथ साथ उन्हें सीमलेस एक्सपीरियंस भी प्रदान करता है और वह भी एक शानदार शुरुआती एक्सक्लूसिव कीमत 16,249 रुपए* के साथ।

मूवीज, गेम्स और वीडियो चैट को विविध डिटेल में जीवंत बनाने के लिए, मोटो जी62 5जी सुपर स्मूथ 6.5इंच की एफएचडी+ अल्ट्रा-स्मूथ डिस्प्ले की 120 हर्ट्ज़ की रिफ्रेश रेट के साथ आता है। जिसमे कि अब आप अपनी पसंदीदा मूवीज, सीरीज को डाउनलोड कर सकते हैं और बिना किसी रुकावट के गेम भी खेल सकते हैं क्योंकि आपको इसके 12 5जी बैंड से सुपर-कनेक्टिविटी और ट्रू 5जी का एक्सपीरियंस मिलता है।

इसके साथ ही, अब उपभोक्ता बेहतर क्लैरिटी और डेप्थ साउंड के साथ अपनी पसंदीदा फिल्मों और संगीत का भी आनंद ले सकते हैं, क्योंकि मोटो जी62 5जी एक रिच एवं बेहतर मल्टीडाइमेंशनल साउंड एक्सपीरियंस के लिए डॉल्बी एटमॉस के साथ ट्यून किए गए स्टीरियो स्पीकर के साथ आता है।

इसके अलावा, यह स्मार्टफोन एक बेहतरीन 50एमपी के क्वाड-फ़ंक्शन कैमरा सिस्टम, 8एमपी वाइड +डेप्थ कैमरा, और मैक्रो विज़न के साथ आता है, ताकि उपभोक्ता किसी भी एंगल से और किसी भी लाइट में, अल्ट्रावाइड से लेकर अल्ट्रा-क्लोज़ तक के हर मोमेंट को कैप्चर कर सकें।

फोन 5000एमएएच की विशाल बैटरी के साथ आता है, इसलिए अब आपको अपने फोन की बैटरी लाइफ के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। यह उन कुछ चुनिंदा आईपी52-रेटेड डस्ट और वाटर रेपेलेंट डिज़ाइन पेश करने वाले फोनो में से एक है।

इन सबके अलावा, मोटो जी62 5जी अपनी उल्लेखनीय थिंकशील्ड सिक्योरिटी के साथ सुरक्षा और प्राइवेसी पर भी ध्यान केंद्रित करता है जो कि मोबाइल प्रोटेक्शन फीचर के लिए डिवाइस को होने वाले खतरों से बचाता है।

इसके साथ ही स्मार्टफोन नियर-स्टॉक एंड्रॉइड 12 एक्सपीरियंस, एंड्रॉइड 13 के लिए सुनिश्चित अपडेट, 3 साल का सिक्योरिटी अपडेट, मोटो जेस्चर, 3 कैरियर एग्रीगेशन, 4×4 एमआईएमओ, साइड एफपीएस पावर टच, तथा और भी बहुत कुछ प्रदान करता है।

उपलब्धता एवं मूल्य निर्धारण:

मोटो जी62 5जी की बिक्री 19 अगस्त 2022 से दो आकर्षक कलर वैरिएंट मिडनाइट ग्रे और फ्रॉस्टेड ब्लू के साथ एक्सक्लुसिवली फ्लिपकार्ट तथा लीडिंग रिटेल स्टोर्स पर शुरू होगी। फोन दो वेरिएंट 6जीबी+128जीबी एवं 8जीबी +128जीबी में उपलब्ध होगा ।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस का राज्यस्तरीय समारोह अरवल्ली में

गुजरात विधानसभा की अध्यक्ष डॉ. नीमाबेन आचार्य कच्छ में करेंगी ध्वजवंदन

गांधीनगर ।

स्वतंत्रता दिवस का राज्यस्तरीय समारोह अरवल्ली में आयोजित होगा। 15 अगस्त को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में अरवल्ली में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा। गुजरात विधानसभा की अध्यक्ष डॉ. नीमाबेन आचार्य कच्छ में तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कलक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में ध्वजारोहण करेंगे। कैबिनेट मंत्रियों में राजेंद्र त्रिवेदी आणंद में तिरंगा फहराएंगे। जीतू वाघाणी राजकोट में, ऋषिकेश पटेल अहमदाबाद में, पूर्णेश मोदी गिर सोमनाथ जिले में, राघवजी पटेल पोरबंदर में, कनु देसाई सूरत में, किरीटसिंह राणा भावनगर में, नरेश पटेल वलसाड़ और अर्जुनसिंह चौहान महिसागर जिला मुख्यालय में झंडा फहराएंगे। वहीं, राज्य मंत्रियों में हर्ष संघवी गांधीनगर में राष्ट्र ध्वज फहराएंगे। जगदीश पंचाल (विश्वकर्मा) मेहसाणा में, ब्रिजेश मेरजा जामनगर में, जीतूभाई चौधरी नवसारी में, श्रीमती मनीषाबेन वकील खेड़ा में, मुकेश पटेल तापी में, श्रीमती निमिषाबेन सुथार छोटा उदेपुर में, अरविंद रैयाणी जूनागढ़ में, कुबेर डिंडोर साबरकांठा जिले में, कीर्तिसिंह वाघेला पाटण में, गजेंद्रसिंह परमार बनासकांठा जिले में, आर. सी. मकवाणा अमरेली में, विनोद मोरडिया बोटाद में और देवा मालम मोरबी में ध्वजारोहण करेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार सुरेन्द्रनगर, देवभूमि द्वारका, पंचमहाल, भरूच, नर्मदा, दाहोद और डांग में संबंधित जिलों के कलक्टर की अध्यक्षता में ध्वज वंदन समारोह आयोजित होगा।

मंत्रिमंडल के के सदस्य और कलेक्टर विभिन्न जिला मुख्यालयों में करेंगे ध्वजारोहण

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)